CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-196
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 21 अक्टूबर 2024

आज का विचार

अगर सूरज के तरह जलना है तो रोज उगना पड़ेगा।

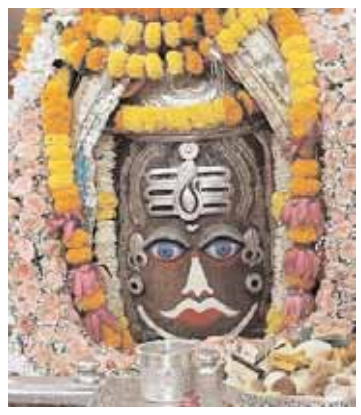

पीएम ने किया रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण, सीएम डॉ. यादव बोले 999 रुपए में रीवा से भोपाल की यात्रा कराएंगे

आज देश में विकास कार्यों की बहार :पीएम मोदी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। इस दौरान काशी को करीब 3300 करोड़ की सौगात दी। इसी के साथ देश के अन्य हिस्सों को भी 3400 करोड़ का दिवाली गिफ्ट दिया। इसी के तहत प्रधानमंत्री ने रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण किया। इधर, रीवा एयरपोर्ट परिसर में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम 999 रुपए में रीवा से भोपाल की हवाई यात्रा कराएंगे। भोपाल-रीवा के बीच नया फोरलेन भी बनेगा। बनारस से वर्चुअली जुड़ने पर पीएम मोदी ने

कहा कि 2014 में हमारे देश मे सिर्फ 70 एयरपोर्ट थे, अब 150 से ज्यादा एयरपोर्ट हैं। पुराने एयरपोर्ट भी हम रिनोवेट कर रहे हैं। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधा। अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कहा कि हम जो कहते हैं डंके की चोट पर करके दिखाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार किसी से भेदभाव नहीं करती। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस, सपा समेत तमाम विपक्षी पार्टियां देश के विकास में भी परिवारवाद कर रही थीं। भाजपा जो कहती है वह डंके के चोट पर करती है। अयोध्या में राम मंदिर का सपना भाजपा ने ही पूरा किया। महिलाओं को विधान और लोकसभा में आरक्षण की बात कही गई थी, जिसे हमने ही पूरा किया।

मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाया पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाया। तीन तलाक के नाम पर वे न जानें कितने वर्षों से प्रताड़ित थीं। अंधकारमय जिंदगी जी रही थीं। सरकार ने महिलाओं को सिर ऊंचा कर चलने की हिम्मत दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भविष्य में एक लाख युवाओं को राजनीति का हिस्सा बनाया जाएगा। युवाओं से आह्वान किया कि इसके लिए वे आगे आएं और देश की तरक्की का हिस्सा बनें। आप खुले मन से नई राजनीति की धुरी बनें। काशी के युवाओं को आगे लाने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करें। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में विकास कार्यों की बहार आ गई है। देश के युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट पर आधुनिक सुविधा बढ़ते ही यहां के लोगों को रोजगार मिलने लगे। आज बनारस आने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यहां पर्यटकों और व्यापारियों के आने की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। काशी विकास और विरासत का रोल मॉडल बनेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले साल देश के एक दर्जन एयरपोर्ट के सुधार भी किए जा रहे हैं। अयोध्या में एक भव्य इंटरनेशल एयरपोर्ट राम भक्तों का स्वागत कर रहा है। पीएम ने कहा कि एक समय था यूपी की सड़कें खस्ताहाली के लिए जानी जाती थी। 2014 के बाद यूपी की सड़कें बन रही हैं। सड़कें चमचमा रही हैं। काशी नगरी के विकास और विरासत को लेकर काम किया जा रहा है। यहां गलियों से लेकर सुंदर घाट लोगों का मन मोह रहे हैं। देश में भाषाओं का भी विकास किया जा रहा है। पाली भाषा का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने आज विकास परियोजनाओं के किए गए लोकार्पण एवं शिलान्यास के लिए देश के सभी नागरिकों के साथ काशीवासियों को धन्यवाद दिया।

54 साल की उम्र में उमर अब्दुल्ला ने लगाई 2 घंटे में 21 किलोमीटर की दौड़

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद रविवार को यहां के मुख्यमंत्री उमरअब्दुल्ला ने कश्मीर मैराथन का उद्घाटन किया। प्रदेश की सड़क पर उन्होंने व्यक्तिगत उपलब्धि अपने नाम करते हुए 21 किलोमीटर की दौड़ लगाई। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी देते हुए एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने ने लिखा कि मैं आज खुद से बहुत खुश हूं। मैंने कश्मीर हाफ मैराथन- 21 किलोमीटर को 5 मिनट 54 सेकंड प्रति किलोमीटर की एवरेज स्पीड से पूरा किया। 54 वर्षीय सीएम ने अपनी पोस्ट में आगे कहा कि मैंने अपने जीवन में कभी भी 13 किलोमीटर से अधिक नहीं दौड़ा और वह भी सिर्फ एक बार। आज मैं अपने जैसे अन्य शौकिया धावकों के उत्साह से प्रेरित होकर आगे बढ़ता रहा। कोई उचित ट्रेनिंग नहीं, कोई दौड़ने की प्लानिंग नहीं, कोई पोषण नहीं। रास्ते में एक केला और एक-दो खजूर खाए। सबसे अच्छी बात यह थी कि मैं अपने घर के पास से दौड़ रहा था और परिवार और अन्य लोग मेरा उत्साहवर्धन कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सुंदर डल झील के किनारे मैराथन में अन्य प्रतिभागियों के साथ दौड़ते हुए खुद को रिकॉर्ड किया। एक अन्य पोस्ट में अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने रास्ते में बहुत सारी सेल्फी लीं और यहां तक कि उन्हें अपॉइंटमेंट के लिए अनुरोध भी मिले। इतना ही नहीं, कुछ पत्रकारों ने भी उनका साक्षात्कार लेने की कोशिश की।

राजस्थान के धौलपुर में स्लीपर बस और टेंपो की टक्कर, 8 बच्चों समेत 12 की मौत

धौलपुर। राजस्थान के धौलपुर से एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। यहां करौली-धौलपुर हाइवे एनएच-11बी पर सुनीपुर गांव के नजदीक स्लीपर कोच बस और टेंपो की टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पांच बच्चे, तीन बच्चियां, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। सभी के शव को बाड़ी अस्पताल की मोर्चरी में भेजा गया। मामला बाड़ी सदर थाना इलाके का है। टेंपो सवार बाड़ी शहर के गुमट मोहल्ला निवासी थे। सभी बरौली गांव में भात कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। धौलपुर सड़क हादसे में स्लीपर बस और टेंपो की टक्कर में 12 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 8 बच्चे शामिल हैं। 14 साल की आसमा, 8 साल का सलमान, 6 वर्षीय साकिर, 10 वर्षीय दानिश, 5 साल का अजान, 19 साल की आशियाना, 7 वर्षीय सुखी और 9 वर्षीय सानिफ ने दम तोड़ दिया। इसके अलावा हादसे में दो महिलाओं 35 वर्षीय जरीना और 32 वर्षीय जूली की जान चली गई है। वहीं, हादसे में 38 साल के इरफान उर्फ बंटी की भी मौत हो गई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की पहली लिस्ट में 99 प्रत्याशियों का ऐलान

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों को अब करीब एक महीने का समय रह गया है। इस बीच 288 सीट वाली विधानसभा के लिए भाजपा ने 99 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने इस चुनाव में 71 मौजूदा विधायकों को टिकट दिया है। यानी पार्टी ने अपने पुराने निर्वाचित नेताओं पर भरोसा जताया है। इतना ही नहीं भाजपा की तरफ से इस बार सूची में 13 महिला उम्मीदवारों का भी नाम है। भाजपा ने अनुसूचित जनजाति से छह और अनुसूचित जाति से चार उम्मीदवारों को भी टिकट दिया है। भाजपा ने इस बार सिर्फ तीन विधायकों के टिकट काटे हैं। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को नांदेड़ जिले की भोकर विधानसभा सीट से टिकट दिया है। चव्हाण लोकसभा चुनाव से पहले इस साल फरवरी में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। वह फिलहाल भाजपा के राज्यसभा सदस्य हैं। केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को भोकरदन से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा ने पहली लिस्ट में अकेले मुंबई के 16 में से 14 विधायकों की टिकट बरकरार रखी हैं।

भूतपूर्व सैनिकों की रैलीः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया पूर्व सैनिकों का सम्मान, जवानों के शौर्य और ऊर्जा से प्रभावित हुए सीएम

विश्व युद्ध के सैनिकों की पेंशन बढ़ाई :मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को 3-ईएमई में भूतपूर्व सैनिकों के सम्मान कार्यक्रम और रैली में शामिल हुए। कार्यक्रम में 102 रेजीमेंट इंजीनियर के जवानों ने सिख संप्रदाय की युद्ध शैलियों का प्रदर्शन किया। जवानों के शौर्य और ऊर्जा से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री मंच से उतर कर जवानों से मिले। मुख्यमंत्री ने जवानों के साथ ग्रुप फोटो भी ली। कार्यक्रम में सैन्य अधिकारियों ने भूतपूर्व सैनिकों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा में इनका योगदान अविस्मरणीय है। कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व सैनिकों और उनके स्वजन के हित में कई घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बलिदानी के बहन-बेटियों की शादी में सरकार 15 हजार रुपए की बजाय 51

हजार रुपए की सहायता देगी। साथ ही मां को हर माह मिलने वाली सहायता 5 हजार रुपए से बढ़ाकर 10 हजार रुपए की जा रही है। उन्होंने कहा कि युद्ध एवं सैनिक कार्रवाई में बलिदान होने वाले सेना/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के बलिदानियों के आश्रितों को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि और एक आश्रित को शासकीय सेवा में विशेष नियुक्ति दी जाएगी। सहायता राशि का आधा अंश शहीद की पत्नी को और आधा अंश आश्रित माता-पिता को दिया जाएगा।

सीएम ने कहा कि प्रदेश में निवासरत द्वितीय विश्व युद्ध के सैनिकों एवं उनकी पत्नी की पेंशन 8 हजार रुपए से बढ़ाकर 15 हजार रुपए प्रतिमाह की गई है, जो देश में सर्वाधिक है। मध्यप्रदेश निवासी ऐसे माता-पिता, जिनकी पुत्री सेना में है, उनकी सम्मान निधि 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 20 हजार रुपए प्रतिवर्ष की गई है।

भूतपूर्व सैनिकों को शासकीय नौकरियों में आरक्षण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पूर्व सैनिकों के बच्चों को मेडिकल, इंजीनियरिंग, टेक्निकल एजुकेशन, लॉ सहित विभिन्न कोर्सेस में आरक्षण दिया जाता है। सभी सरकारी विभागों के ग्रुप सी एवं डी पदों पर भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण के साथ जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में सहायक ग्रेड-3 स्तर पर कर्मचारियों के पदों में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। शासन की योजनाओं के अंतर्गत जमीन के लिए सैनिकों को आरक्षण दिया जाता है।

नफीसा बी का सम्मान कर उनका आशीर्वाद लिया- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने द्वितीय विश्व युद्ध में वीरता के साथ लड़ने वाले भूतपूर्व सैनिकों की कल्याणियों का सम्मान किया। उन्होंने नं. 561 सिपाही स्व. मुशीर अहमद की पत्नी फातिमा बी, नं. 2659 सिपाही स्व. मो. सईद खान की पत्नी रईसा बेगम और नं. 451 सिपाही मो. सरीफ की पत्नी नफीसा बी का सम्मान कर उनका आशीर्वाद भी लिया।

बुधनी में भार्गव और पटेल... विजयपुर में रावत और मल्होत्रा होंगे आमने-सामने

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा उपचुनाव को लेकर हलचल तेज है। दो सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए बीजेपी के बाद अब कांग्रेस ने भी अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने विजयपुर से मुकेश मल्होत्रा को और बुधनी से राजकुमार पटेल को प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले बीजेपी अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर चुकी है। बीजेपी ने बुधनी से रमाकांत भार्गव को टिकट दिया है। वहीं विजयपुर सीट से वन मंत्री रामनिवास रावत बीजेपी के प्रत्याशी हैं। बता दें कि बीते दिनों मुख्य चुनाव आयोग ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान करने के साथ ही मध्यप्रदेश की बुदनी और विजयपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव की तारीख भी घोषित की थी। विजयपुर और बुधनी सीट पर 13 नवंबर को चुनाव होंगे। जबकि 23 नवंबर को रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

रमाकांत भार्गव को बुधनी से क्यो मिला भाजपा का टिकट- रमाकांत भार्गव विदिशा संसदीय सीट से सांसद रहे हैं। जब 2024 में उनका टिकट काटकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विदिशा से चुनाव लड़ाने का निर्णय लिया गया, तब से ही भार्गव की राजनीतिक स्थिति मजबूत बनी रही। उनकी शिवराज सिंह चौहान के साथ करीबी रिश्ते को देखते हुए, पार्टी ने उन्हें बुधनी से उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया। भार्गव ने चौहान के छह चुनावों के संचालक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उनकी राजनीतिक समझदारी और नेटवर्क को बढ़ावा मिला।

कार्तिकेय सिंह चौहान बोले- मुझे टिकट की जरूरत नहीं

बुधनी सीट पर बीजेपी का टिकट घोषित होते ही केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा है कि मैंने कभी भी इस मंशा के साथ काम नहीं किया कि मुझे टिकट मिले। बुधनी के लोगों के पास जाने के लिए मुझे किसी टिकट की जरूरत नहीं है। मैंने पहले एक आम कार्यकर्ता के रूप में उनके लिए काम किया है। बुधनी सीट से बीजेपी ने रमाकांत भार्गव को प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी नेता कार्तिकेय सिंह चौहान ने कहा कि रमाकांत भार्गव वरिष्ठ नेता हैं। उनके नेतृत्व में हमने कई चुनाव लड़े हैं। वे काफी अनुभवी नेता हैं। बीजेपी में कई ऐसे नेता हैं जो मुझसे ज्यादा योग्य और डिजर्विंग हैं। पार्टी ने एक मजबूत और अनुभवी नेतृत्व बुधनी को दिया है। वे भारी मत से चुनाव जीतेंगे।

दो दिन में कोई नामांकन दाखिल नहीं- मप्र उपचुनाव के लिए शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने का पहला दिन था और शनिवार को दूसरा दिन। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह ने बताया कि नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने के दूसरे दिन भी दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कोई भी नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त नहीं हुआ।

जम्मू-कश्मीर में गैर-स्थानीय लोगों पर आतंकी हमला, तीन की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार के सत्तासीन होने के बाद आतंकी नापाक हरकतों पर उतर आए हैं। जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल जिले के गगनगीर इलाके में रविवार को आतंकियों ने गैर-स्थानीय लोगों पर हमला कर दिया। घटना जम्मू-कश्मीर के गांदेरबल के सोनमर्ग इलाके के गगनगीर में जेड-मोड सुरंग के कैंपसाइट के पास हुई। इस आतंकी हमले में तीन सुरक्षा गार्डों की मौत हो गई। वहीं दो से तीन लोगों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। इस गोलीबारी में जिन तीन लोगों की मौत हुई है वे तीनों गैर स्थानीय मजदूर थे। ये सभी लोग एक सुरंग प्रोजेक्ट में काम कर रहे थे। हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गया और पूरे इलाके को घेर लिया। सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि हमलावरों को जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। इससे पहले दक्षिण कश्मीर के शोपियां में शुक्रवार को बिहार के एक श्रमिक की आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। श्रमिक का शव झाड़ियां से बरामद किया गया था। मृतक की पहचान अशोक चौहान निवासी काठिया जिला बांका, बिहार के रूप में हुई है। वह जेनपोरा से कुछ दूरी पर अरवनी संगम में रहता था। पेशे से श्रमिक अशोक के साथियों ने बताया कि

सुबह साढ़े सात-आठ बजे उसे एक फोन आया था। फोन करने वाले ने उसे कथित तौर पर मक्की की कटाई के लिए बुलाया था। वह कटाई वाली मक्की के खेत देखने निकला था और उसके बाद उसका फोन स्विच ऑफ हो गया। उसी समय उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इस बीच पता चला कि वनडाना मल्हौरा में उसका शव देखा गया। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, अशोक की जिस तरह से हत्या हुई है, उसे आतंकी वारदात कहा जा सकता है।

आवश्यकता

प्रदेशो, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message :
9755996590

सिंगल कॉलम

नेहरू पार्क स्वीमिंग पूल पर निगम करेगा तीन करोड़ खर्च, होगी मरम्मत

इंदौर। इंदौर के सबसे पुराने नेहरु पार्क के स्वीमिंग पूल बिल्डिंग औरर अन्य हिस्सों की मरम्मत की जाएगी। इसके लिए नगर निगम तीन करोड़ रुपये खर्च करेगा। दस साल पहले पुल की टाइल्स व उपकरण बदले गए थे। अब बिल्डिंग व अन्य हिस्सों की मरम्मत होगी और कुछ नए निर्माण भी होंगे। 40 साल पुराने इस स्वीमिंग पूल ने देश को कई खिलाड़ी दिए है। पहले इंदौर में निगम का यही स्वीमिंग पूल होता था। बाद में निजी और नए पूल भी शहर में बने। तीन माह पहले मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने नेहरु पार्क का दौरा किया था। तब खिलाड़ियों ने स्वीमिंग पूल को लेकर कई तरह की समस्याएं बताई थी। इसके बाद मेयर ने कंसलटेंट नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद स्वीमिंग पूल के लिए टेंडर जारी किए। महापौर परिषद सदस्य नंदू पहाड़िया ने बताया कि स्वीमिंग पूल की गैलरी पर शेड लगाए जाएंगे। इसके अलावा खिलाड़ियों के लिए जिम, शॉवर, चेजिंग रुम बनाए जाएंगे। इसे खेल स्पर्धा के मानकों के हिसाब से तैयार किया जाएगा। डायविंग प्लेटफार्म की मरम्मत भी जाएगी। डेढ़ साल के भीतर यह काम होगा। इस दौरान स्वीमिंग पूल कुछ समय के लिए बंद रखा जा सकता है। आपको बता दे कि इस स्वीमिंग पूल में हर रोज सैकड़ों बच्चे व युवक तैरना सीखने के लिए आते है।

गोदाम पर खाद्य विभाग की छापेमारी, पीडीएस का चावल जब्त

इंदौर। इंदौर में खाद्य विभाग ने जवाहर टेकरी स्थित एक अनाज के गोदाम पर छापेमारी की। टीम ने यहां से 455 बोरी चावल और 100 बोरी गेहूं बरामद किया है। इसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित किए जाने वाले चावल की कई बोरियां शामिल हैं। विभाग ने गोदाम भी सील किया है। हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने विभाग को सूचना दी थी। इसके बाद शनिवार शाम को फूड कंट्रोलर एम मारू की टीम ने वहां जांच की। यहां मौके पर कर्ताधर्ता अनवर हुसैन और आसिफ उपस्थित हुए। उन्होंने राजेश पहाड़िया की फर्म खुशी ट्रेडिंग कंपनी 928 सुदामा नगर का चावल होना बताया। गोदाम में 450 बोरियां पीडीएस के फोर्टीफिएड चावल की पाई गई। इसका कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। साथ ही 5 बोरिया (प्रति बोरी 40 किलो) के मोगरा बासमती चावल भी पाया गया। इसका बिल प्रस्तुत किया। अनवर हुसैन और आसिफ ने चावल को लेकर कोई वैध बिल प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसे में फोर्टिफाइड चावल और बिना बिल का गेहूं पीडीएस का होने की शंका में जब्त किया गया। दोनों के विरुद्ध आवश्यक प्रस्तुति अधिनियम की धारा 3,7 के तहत केस दर्ज किया है।

कैलाश विजयवर्गीय और सुमित्रा महाजन को दिलाई बीजेपी की सदस्यता

इंदौर। भाजपा के सदस्यता अभियान 'संगठन पर्व' के तहत रविवार को नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे और प्रभारी सुदर्शन गुप्ता ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन को उनके मनीषपुरी स्थित निवास पर पार्टी की सक्रिय सदस्यता दिलाई। साथ ही कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भी पार्टी का सक्रिय सदस्य बनाया। सुमित्रा महाजन ने कहा कि बड़ी खुशी की बात है कि एमपी में सबसे ज्यादा डेढ़ करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाए गए हैं। उन्होंने रणदिवे और सुदर्शन को शाबाशी दी, कार्यकताओं की तारीफ की। सुमित्रा महाजन ने कहा, मैंने पिछले दिनों बैठक में इच्छा जाहिर की थी कि इंदौर में हम 10 लाख से ज्यादा वोटों से जीते हैं, तो 9 लाख से ज्यादा सदस्य बनाना चाहिए। इंदौर ने 9 लाख का आंकड़ा पार कर लिया। इसके लिए उन्होंने रणदिवे और सुदर्शन को खासतौर पर बधाई दी। साथ ही कार्यकर्ताओं की मेहनत की भी खूब तारीफ की।

रेलवे पटरी के पास मिला ट्रेवल्स संचालक का शव हत्या की आशंका

इंदौर। इंदौर के हीरा नगर इलाके में शनिवार देर शाम एक ट्रेवल्स संचालक विनय आर्य की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया, जिसने इलाके में सनसनी फैला दी है। विनय का शव एमआर 10 क्षेत्र में रेलवे पटरी के पास पड़ा मिला और उसके शरीर पर कई चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे यह मामला और भी गंभीर हो गया है। सबसे पहले घटना की जानकारी विनय की महिला मित्र काजल ने उसके परिवार को दी थी। काजल की इस भूमिका ने मामले को और उलझा दिया है, क्योंकि परिजनों ने उसी पर और उसके पति संदीप पर विनय की हत्या का शक जताया है। परिवार का आरोप है कि विनय की मौत एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या है। मृतक के रिश्तेदार राजेन्द्र चौकसे ने बताया कि विनय पेशे से ट्रेवल्स संचालक था और उसके परिवार में उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं। करीब एक साल से विनय और काजल नाम की महिला के बीच दोस्ती थी, जिसके चलते दोनों के बीच फोन पर बातचीत होती रहती थी।

मप्र के लड़के-लड़की की शादी के खिलाफ तेलंगाना के विधायक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर/जबलपुर। मध्य प्रदेश के इंदौर की एक युवती और जबलपुर के युवक ने अपनी शादी के लिए जबलपुर कलेक्ट्रेट में आवेदन किया है। कि यह शादी 12 नवंबर 2024 को होने वाली है। इस विवाह के खिलाफ हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध प्रदर्शन किया है। इस मामले की जानकारी जब तेलंगाना के विधायक टी राजा को मिली, तो उन्होंने भी विरोध में अपनी आवाज उठाई। हैदराबाद की गोशामहल सीट से विधायक टी राजा ने एक वीडियो जारी कर जबलपुर के हिंदू संगठनों से अपील की है कि इस शादी को किसी भी कीमत पर रोका जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो युवती की हत्या हो सकती है, जिससे वह 'फ्रिज में कटी मिलेगी।'

युवती का परिवार भी इंदौर से जबलपुर पहुंचा और उन्होंने सिहोरा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि उनकी बेटी को हसनैन अंसारी कहीं ले गया है। परिवार ने बताया कि उनकी बेटी पिछले एक हफ्ते से लापता है। आपको बता दें कि हसनैन सिहोरा का निवासी है।

विवाह अधिकारी द्वारा परिवारों को भेजे गए पत्र

इस बीच शादी से पहले जबलपुर के अपर कलेक्टर और विवाह अधिकारी द्वारा युवक-युवती के परिवारों) को लेटर भेजे गए हैं। इन लेटर में परिवारों को इस शादी के बारे में सूचित किया गया है। उन्हें बताया गया है कि यदि इस विवाह पर कोई ऐतराज है, तो वे 12 नवंबर या इससे पहले कोर्ट आकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

एक साथ काम करते हैं युवक-युवति

इंदौर की 27 साल की युवती एक प्राइवेट टेलिकॉम कंपनी में काम कर रही है, जहां 29 साल का हसनैन भी उसके साथ जॉब करता है। दोनों एक-दूसरे को तीन साल से जानते हैं। युवती के परिजनों के अनुसार 15 अक्टूबर की दोपहर तीन बजे अचानक उसका मोबाइल बंद हो गया। अगले दिन 16 अक्टूबर को उन्हें एक लेटर मिला, जिसमें लिखा था कि युवती रजिस्टर्ड मैरिज कर रही है। इस लेटर के तुरंत बाद युवती के भाई ने इंदौर जिले के राउ थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

युवति के भाई ने दी जानकारी

शनिवार शाम को इंदौर पुलिस युवती के परिजनों के साथ सिहोरा पहुंची। युवती के भाई ने बताया कि उसकी बहन ने आखिरी बार 15 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से पहले अपनी मां से बात की थी। इस बीच सिहोरा पुलिस ने हसनैन के पिता को थाने बुलाया। हसनैन के पिता ने पहले कहा कि युवक और युवती आधे घंटे में थाने आ जाएंगे, लेकिन जब दो घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी दोनों का कोई पता नहीं चला, तो पुलिस ने एक बार फिर उनसे संपर्क किया। इस पर हसनैन के पिता ने कहा कि उनकी जानकारी में कुछ नहीं है और उन्हें यह भी नहीं पता कि दोनों कहां हैं।

युवक के पिता ने यह कहा

युवक के पिता इरफान अंसारी का कहना है कि बेटे का कॉल आया था। उसने जबलपुर में होने की बात कही थी, लेकिन अभी वह कहां है, इस बारे में कुछ भी पता नहीं है। युवती के पिता ने जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना को एक आवेदन देकर अनुरोध किया है कि इस शादी को रोका जाए। उन्होंने कहा, हसनैन ने मेरी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने प्रभाव में ले लिया है। मुझे आशंका है कि मेरी बेटी का अपहरण हुआ है और वह जबरन धर्मांतरण कराने का प्रयास कर रहा है। युवती के पिता ने कहा कि एक पिता होने के नाते मुझे अपनी बेटी की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता है। उसकी शादी जबरदस्ती और धोखे से करवाई जा रही है।

हिंदू सेवा परिषद ने कहा- यह शादी शून्य है

हिंदू सेवा परिषद के महानगर अध्यक्ष अतुल जैसवानी ने इस विवाह पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह शादी शून्य है। उन्होंने कहा कि 27 मई 2024 को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक मामले पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया था। स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अगर कोई मुस्लिम लड़का हिंदू लड़की से विवाह करता है, तो यह शादी शून्य होगी। दरअसल, इस्लाम धर्म के अनुसार कोई भी लड़की देवी-देवताओं को मानती है, अग्नि को मानती है, मूर्ती पूजा करती है, उसके साथ मुस्लिम लड़के की शादी नहीं हो सकती है। हाईकोर्ट के इसी आदेश के तहत हम कह रहे हैं कि यह शादी नहीं हो सकती है।

मशहूर रैपर डिवाइन पर इंदौर के दो थानों में केस, शो किए बगैर चले गए मुंबई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में शो करने आए मशहूर रैपर विवियन विल्सन फर्नांडिस, जिन्हें डिवाइन के नाम से जाना जाता है, के खिलाफ इंदौर के दो थानों में केस दर्ज किए गए हैं। एक एफआईआर धोखाधड़ी के आरोप में और दूसरी अभद्रता और मानसिक प्रताड़ना के आरोप में है। वे एक कॉलेज में शो किए बगैर मुंबई लौट गए, जबकि चार हजार से ज्यादा दर्शक उनके आने का इंतजार करते रहे। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। आयोजकों ने आरोप लगाया कि जिस ड्राइवर को डिवाइन को लेने होटल भेजा था, उसके साथ भी गायक के सहयोगियों ने बदसलूकी की और दूसरी टैक्सी में सवार होकर एयरपोर्ट पहुंच गए। ड्रायवर ने भी अलग से एरोड्रम थाने में शिकायत की है। इंदौर के एक कॉलेज में डिवाइन का टाइमलेप्स कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें डिवाइन को अपनी टीम के साथ परफॉर्म करना था, लेकिन तीन घंटे के इंतजार के बावजूद भी डिवाइन होटल से आयोजन स्थल महू नहीं पहुंचे। उनकी प्रस्तुती का चार हजार से ज्यादा दर्शक इंतजार रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर नहीं आने पर आयोजकों ने जब डिवाइन की टीम से संपर्क किया गया तो वह कोई जवाब नहीं दे पाई।

कार्यक्रम स्थल की बजाय एयरपोर्ट पहुंचे डिवाइन

डिवाइन अपनी टीम के साथ होटल से रवाना जरूर हुए, लेकिन कार्यक्रम स्थल पहुंचने के बजाय वे सीधे इंदौर एयरपोर्ट पहुंच गए। डिवाइन को कार्यक्रम स्थल लाने के लिए जिस ड्राइवर को जिम्मेदारी सौंपी गई थी उसका मोबाइल भी गायक के सहयोगियों ने

बंद करवा दिया और बीच रास्ते में डिवाइन और उनके साथी कार से उतरकर प्राइवेट टैक्सी में बैठकर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। आपको बता दें कि डिवाइन इससे पहले भी शो निरस्त करने को लेकर सुर्खियों में रह चुके हैं। इस बार इंदौर से वे शो किए बगैर लौट गए।

एडवांस लिया और शो नहीं किया

इंदौर के एक कॉलेज में डिवाइन कॉन्सर्ट आयोजित किया गया था, जिसमें करीब 4,000 लोगों की भीड़ जमा हुई थी। हालांकि, डिवाइन कॉन्सर्ट में पहुंचे ही नहीं, जबकि उन्होंने कॉन्सर्ट के लिए पूरे पैसे एडवांस में ले लिए थे। यह आयोजन जीजी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से हुआ था, जिसके ऑनर का नाम प्रत्यक्ष बताया गया है।

कॉन्सर्ट करने का मन नहीं था

रिपोर्ट्स के मुताबिक, डिवाइन का कॉन्सर्ट करने का मन नहीं था और वे दो दिन पहले से ही इसे लेकर अनिच्छुक थे। आयोजन के समय वे इंदौर एयरपोर्ट से भागने की तैयारी कर रहे थे। उन्हें आयोजन स्थल तक लाने के लिए ड्राइवर भेजा गया था। उसके साथ कथित तौर पर उन्होंने और उनके साथियों ने अभद्र व्यवहार किया और उसे कार में ही बंधक बनाकर रखा।

इसके अलावा, ड्राइवर का मोबाइल भी छीन लिया गया और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इसके बाद, डिवाइन और उनके साथी बीच रास्ते में कार से उतरकर प्राइवेट टैक्सी में बैठकर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए।

महू और एरोड्रम थाने में एफआईआर

महू की किशनगंज पुलिस ने डिवाइन के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में शिकायत दर्ज की है। वहीं, इंदौर की एरोड्रम थाना पुलिस ने ड्राइवर के साथ अभद्रता और मानसिक प्रताड़ना के मामले में शिकायत दर्ज की है।

इंदौर एयरपोर्ट को फिर बम में उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एयरपोर्ट को बम में उड़ाने की धमकी का मैसेज आया। मैसेज में लिखा गया कि इंदौर-दिल्ली फ्लाइट में पांच यात्री बम के साथ सवार है। हर कोई कब्र में समा जाएगा। इस मैसेज को गंभीरता से लेते हुए अलायंस एयर के विमान की जांच की गई। एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। इसके चलते उड़ान में भी एक घंटे की देरी हुई। इंदौर एयरपोर्ट को इस माह दूसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली। मैसेज में पांच उड़ानों की संख्या का जिक्र था। उसमें इंदौर-दिल्ली की उड़ान का भी जिक्र था। यह विमान दिल्ली से दोपहर साढ़े 12 बजे इंदौर के लिए रवाना हुआ और दोपहर 1.40 बजे इंदौर एयरपोर्ट पहुंचा। धमकी को देखते हुए इंदौर विमानतल पर सुरक्षा बढ़ाई गई थी। खोजी श्वानों की मदद से विस्फोटक सामग्री खोजी जा रही थी। यात्रियों की भी अतिरिक्त जांच की गई,हालांकि किसी भी तरह की विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। इंदौर एयरपोर्ट को छठी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस माह इंदौर के सुरक्षा अधिकारी के मेल पर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी का मेल आया था। इससे पहले भी धमकियां मिल चुकी है।

सुरक्षाकर्मियों ने की फ्लाइट और यात्रियों की जांच

दिल्ली से जब ये फ्लाइट इंदौर एयरपोर्ट पर पहुंची तो सुरक्षाकर्मियों ने फ्लाइट के साथ ही यात्रियों की भी जांच की। एयरपोर्ट मैनेजमेंट ने इस पूरे मामले में कुछ भी कहने से मना कर दिया है। हालांकि, एयरपोर्ट सूत्रों की मानें तो यही फ्लाइट इंदौर से दोपहर 2.05 बजे दिल्ली के लिए रवाना होती है। लेकिन रविवार को शाम 5.25 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

25 से ज्यादा फ्लाइट्स को उड़ाने की धमकी

देश में यात्री विमानों को मिल रही धमकी का सिलसिला लगातार जारी है। रविवार को 25 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की छह-छह विमान शामिल हैं। एक दिन पहले शनिवार को 30 से ज्यादा विमानों को धमकी मिली थी।

आरएनटी मार्ग बनेगा मॉडल रोड, कुर्सियां, म्यूरल लगना शुरू

इंदौर। इंदौर के रवींद्र नाथ टैगोर मार्ग (आरएनटी) को नगर निगम मॉडल रोड की तर्ज पर तैयार कर रहा है। पहले चरण में सड़क के दोनों तरफ फुटपाथों पर इंटरलाकिंग टाइल्स और सीमेंट के छोटे पोल लगाए गए हैं। इसके अलावा फुटपाथ पर बैठने के लिए बैंच भी लगाई जा रही हैं।

यह इंदौर का दूसरा आदर्श रोड होगा। इससे पहले ग्रेटर कैलाश अस्पताल रोड को आठ साल पहल इसी तरह विकसित किया गया था। गांधी प्रतिमा से नेहरू प्रतिमा तक डेढ़ किलोमीटर लंबे आरएनटी मार्ग की चौड़ाई 100 फीट से ज्यादा है। इस मार्ग पर महात्मा गांधी की प्रतिमा, रवींद्र नाट्य गृह, ऐतिहासिक रानी सराय में चलने वाला पुलिस कमिश्नर कार्यालय, देवी अहिल्या विश्व विद्यालय का मुख्यालय है। हिंदी साहित्य समिति का ऐतिहासिक भवन, होटलें, पंडित नेहरू की प्रतिमा, प्रदेश का सबसे बड़ा दवा बाजार भी है। इस मार्ग के फुटपाथ पर नगर निगम देवी अहिल्या पर आधारित एक म्यूरल भी तैयार कर रहा है। उसे देवी अहिल्या विश्व विद्यालय परिसर के बाहर लगाया जाएगा।

इसके अलावा खुशबूदार और रंग-बिरंगी पत्तियों के पौधे भी फुटपाथ पर लगाए जाएंगे। सौर ऊर्जा से चलने वाले लैंप और एलईडी से भी इस मार्ग को सजाया जाएगा। मार्ग के फुटपाथ वाले हिस्से पर गजिबो, ग्रीन कार्पेट घास भी लगाई जाएगी। डेढ़ साल पहले आरएनटी मार्ग को मॉडल रोड को बनाने की योजना तैयार की गई थी। अब यहां काम शुरू हो चुका है। इस मॉडल रोड पर नेकी की दीवार, लाइब्रेरी की व्यवस्था भी रहेगी। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि दो माह के भीतर मॉडल रोड तैयार हो जाएगा।

मंत्री विजयवर्गीय ने किया डबल डेकर बस का पूजन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को एआईसीटीएसएल परिसर में डबल डेकर बस का पूजन किया। इसके बाद मंत्री विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव बस में सवार होकर ट्रायल पर निकले। उन्होंने डबल डेकर बस को लेकर कहा कि अगर ट्रायल सफल रहा तो महिलाओं के लिए पिंक डबल डेकर की सुविधा देंगे। बता दें कि इंदौर की सड़कों पर अब डबल डेकर बसें शहरवासियों को नजर आएगी। फिलहाल ट्रायल रन के लिए एक बस इंदौर पहुंच चुकी है। एक माह तक इस बस का ट्रायल रन होगा। इसके बाद इसके रुट तय होंगे। शहर के पर्यटन स्थलों से जुड़े रुटों पर यह बस चलाई जा सकती है। इस तरह की बसें मुबंई में काफी चलती है। इंदौर में पहली बार डबल डेकर बस चलेगी। पहला रुट इस बस का एआईसीटीएसएल से स्कीम-140, खजराना चौराह, रोबट चौराहा तय किया गया है। शहर के अलग-अलग रूटों पर एक माह तक इस बस का ट्रायल रन होगा। इस बस की ऊंचाई 15 फीट है। बस में एक साथ साठ यात्री सफर कर सकते है। डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस का संचालन एआईसीटीएसएल करेगा। बस की ऊंचाई ज्यादा होने के कारण बस चौड़े मार्गों पर ज्यादा उपयोगी साबित होगी, क्योकि शहर के पुराने इलाकों में बिजली के तार, केबल बस के उपरी हिस्से से टकराने का खतरा रहेगा। देश की अशोक लीलेंड कंपनी ने डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस तैयार की है। आम बसों की तुलना में इसके दरवाजे चौड़े है। बस को हल्की एल्यूमिनियम बॉडी में बनाया गया है। दो सीढ़ियों के अलावा आपात कालीन द्वारा भी बस में रहेंगे। एक बार चार्ज होने पर यह बस ढाई सौ किलोमीटर तक चल सकती है। यात्रियों के लिए दोनो हिस्सों में आरामदायक सीटें और चौड़े शीशों वाली खिड़कियां बस में है।

कुछ लोग शहर को बदनाम कर रहे

सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों के लोग और अन्य लोग शहर को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे खिलाफ भी अभियान चलाया। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि मुझे बताइए शहर में दो-तीन घंटे से ज्यादा पानी रुका क्या। कुलकर्णी के भट्?टे में गले-गले तक पानी में गया हूं मैं, टापू नगर में तैर कर लोगों को बाहर लाया।

बजरंगियों ने अश्लीलता का आरोप लगाकर रुकवा दिया फैशन शो

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के 'स्काय लाईन ' में 'एलीगेंट परिधान' नाम से आयोजित फैशन शो विवादों से घिर गया। बजरंग दल के जिला सहमंत्री विजय कालखोर को यह जानकारी मिली थी कि फैशन शो में अश्लीलता हो रही है और कुछ मुस्लिम युवक हिंदू नाम से शो में भाग ले रहे हैं। यह जानकारी मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने तुरंत पहुंचकर फैशन शो रुकवाया। इसके बाद तेजाजी नगर पुलिस भी वहां पर पहुंची और फैशन शो आयोजित करने वाली दीपिका शर्मा और समता जैन पर 188 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। तेजाजी नगर पुलिस ने साहिल खान निवासी खरगोन के खिलाफ 151 के तहत कार्रवाई की। बजरंग दल इंदौर के

विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर ने बताया कि शनिवार को रात में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद एसआई मनोज कुमार दुबे भी मौके पर पहुंचे थे। प्रवीन दरेकर और राम दांगी ने बताया कि भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और महिलाओं को सशक्त करने संबंधी कार्यक्रम की अनुमति मांगी गई थी लेकिन यहां अश्लीलता का प्रदर्शन किया जा रहा है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कुछ युवकों के नाम पता किए, जिसमें एक युवक ने अपना नाम अमन बताया जब आईडी चेक की तो उसका नाम साहिल खान निकला।

लव जिहाद का शिकार बनाने के लिए आयोजन

बजरंग दल ने आरोप लगाया कि हिंदू युवतियों को लव जिहाद का शिकार बनाने के लिए यह आयोजन किया गया था। तेजाजी नगर थाने पर भी जमकर नारेबाजी की और हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए कड़ी कार्यवाही की मांग की गई। कार्यक्रम को बिगड़ता देख आयोजक भी आग बबूला हो गई। हिंदू नाम बताकर कार्यक्रम में शामिल हुए साहिल को थप्पड़ भी लगा दिया और कहा कि यह बिना अनुमति के आए हैं और जानबूझकर फैशन शो बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

आयोजकों ने मांगी माफी

आयोजक दीपिका शर्मा और समता जैन ने वीडियो जारी करते हुए माफी भी मांगी लेकिन पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। इवेंट मैनेजमेंट और होटल मैनेजमेंट के कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने खुद को हिंदूवादी संगठन का बताकर हमसे पैसे भी मांगे थे। इस पर बजरंग दल ने कहा कि जो भी पैसे मांगने आया था उसके सीसीटीवी फुटेज निकालिए और पुलिस को दीजिए।

मध्यप्रदेश में बीजेपी संगठन चुनाव के लिए जल्द शुरू हो सकती है प्रक्रिया

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में वीडी शर्मा की जगह कौन लेगा? इस सवाल का जवाब खोजने के लिए बीजेपी ने संगठन चुनाव के लिए ग्वालियर के पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर को प्रदेश चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। बीजेपी के सदस्यता अभियान का दूसरा चरण 15 अक्टूबर को समाप्त हो गया है। सदस्यता अभियान के बाद अब संगठन चुनाव को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं। विवेक शेजवलकर की नियुक्ति के बाद माना जा रहा है कि संगठन चुनाव के लिए प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। वीडी शर्मा की जगह लेने के लिए बीजेपी के कई कद्दावर नेता लॉबिंग कर रहे हैं। दावेदारों में कई सांसद और पूर्व गृहमंत्री का

भी नाम शामिल है। संगठन चुनाव के लिए बीजेपी ने विवेक शेजवलकर को प्रदेश चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं, जीतू जिराती, अर्चना चिटनीस, रजनीश अग्रवाल और डॉ प्रभुलाल जाटवा को सह चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। 31 अक्टूबर तक बीजेपी का सक्रिय सदस्यता अभियान पूरा होगा। उसके बाद यह कमेटी राज्य की बूथों पर बूथ समितियों का गठन करेगी। इसके बाद मंडल अध्यक्षों का चुनाव होगा फिर जिला अध्यक्ष और उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा।

क्या होगा इस समिति का काम

ये सभी नेता संगठन का चुनाव कराएंगे। चुनाव अधिकारी बूथ समितियों से लेकर मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव कराएंगे। माना जा रहा है कि इस पूरी प्रक्रिया में एक महीने से ज्यादा का समय लग सकता है। वहीं, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव को देखते हुए माना जा रहा है कि नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 23 नवंबर के बाद होगा। प्रदेश के कई नेता दोनों राज्यों के उपचुनाव में बिजी में रहेंगे इस कारण से फैसला 23 नंवबर के बाद हो सकता है। इसके साथ ही राज्य की दो सीटों पर उपचुनाव भी होंगे।

दिल्ली में संगठन चुनाव को लेकर अहम बैठक आज

दिल्ली में 21 अक्टूबर को संगठन चुनाव को लेकर बीजेपी ने अहम बैठक बुलाई है। इस बैठक में एमपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत पार्टी के कई सीनियर पदाधिकारी भी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में चुनाव को लेकर डेटलाइन समेत कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वीडी शर्मा की जगह लेने के लिए पार्टी के कई नेता अपनी-अपनी दावेदारी कर रहे हैं। सबसे बड़े दावेदारों में राज्य के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का नाम शामिल है। नरोत्तम मिश्रा के लोकसभा चुनाव लड़ने की भी अटकलें थीं। वहीं, दूसरे नेताओं में देखा जाए तो पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, सांसद सुमेर सिंह सोलंकी समेत कई नेताओं के नाम आ रहे हैं।

वीडी शर्मा के नेतृत्व में मिली थी बड़ी जीत

वीडी शर्मा के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव हुए। इन चुनावों में बीजेपी ने रेकॉर्ड जीत दर्ज की। वहीं, कांग्रेस के कई सीनियर नेताओं ने उनके ही कार्यकाल में बीजेपी में शामिल हुए।

यूनिवर्सिटी ने बनाया नया प्लान, होगा डिजिटल मूल्यांकन

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी में अब नहीं होगी लेट लतीफी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश की जबलपुर स्थित मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी अपनी लेट लतीफी के लिए जानी जाती है। यहां छात्रों की ना तो समय पर परीक्षा ली जाती है ना ही समय पर परिणाम दिए जाते हैं। मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी का एकेडमिक कैलेंडर हमेशा पिछड़ा रहता है। पहले तो परीक्षाएं समय पर नहीं होती, यदि परीक्षा समय पर हो भी जाएं तो उनके रिजल्ट समय पर नहीं आ पाते। अब इसके लिए यूनिवर्सिटी ने नया प्लान तैयार किया है। इसके अनुसार यूनिवर्सिटी अब कॉलेजों में डिजिटल वैल्यूएशन सिस्टम डेवलप करेगी। जिससे परीक्षा के दौरान ही या फिर परीक्षा होते ही मूल्यांकन हो सके और समय पर रिजल्ट घोषित किए जा सकें। इस संबंध में यूनिवर्सिटी ने निर्णय ले लिया है। इस सिस्टम को डेवलप करने के लिए एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। खास बातें है कि डिजिटल मूल्यांकन कराने वाली मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी है।

प्रदेशभर में नोडल केंद्र बनाएगी यूनिवर्सिटी

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी द्वारा रिजल्ट समय पर घोषित नहीं हो पाते। जिसका असर हजार छात्रों पर पड़ता है। इसको देखते हुए यूनिवर्सिटी अब प्रदेशभर में नोडल सेंटर बनाएगी। इसके बाद यूनिवर्सिटी अपने जबलपुर स्थित कैंपस में मूल्यांकन के लिए कॉपी नहीं बुलाएगी। इसके लिए यूनिवर्सिटी ने 27 कॉलेजों को चिह्नित किया है। इन सेंटर पर ही कॉपियों को स्कैन करने का सिस्टम भी

रहेगा। 20-20 कंप्यूटर सिस्टम और इंटरनेट आदि की व्यवस्था की जाएगी। जिससे मूल्यांकनकर्ता यही से मूल्यांकन कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था के लिए यूनिवर्सिटी टेंडर के माध्यम से एजेंसी का चयन करेगी। विवि प्रशासन का कहना है जल्द ही यह सुविधा डेवलप हो सकेगी। इससे मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग, आयुष आदि सभी कोर्सेस के छात्रों को लाभ मिलेगा।

विश्वविद्यालय का सराहनीय कार्य

नीम छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हरेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा है कि 27 सेंटर बनाए जाना जिनमें कॉपियां स्कैन होगी एवं मूल्यांकन किया जाएगा। यह विश्वविद्यालय का सराहनीय कार्य है।

इससे मूल्यांकन जल्दी होगा और छात्रों के जो सत्र विलंब से चल रहे हैं उन्हे समय पर लाने का प्रयास किया जाएगा एवं इस प्रकार की प्रक्रिया से आगे जो नई बैच आ रही है उनके सत्र समय पर चलेंगे। उन्होंने कहा संगठन हमेशा से छात्रों के हित के लिए काम कर रहा है। छात्रों की समय पर परीक्षाएं हो जाए और उनका रिजल्ट समय पर आ जाए यही सबसे बड़ी उपलब्धि है।

आधे मध्यप्रदेश को रोशन करेगी सौर ऊर्जा, बनी कार्ययोजना

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरप्लस बिजली उत्पादन वाला राज्य है। मतलब यहां जितनी बिजली की खपत होती है, उससे ज्यादा निर्माण होता है। यही कारण है कि दिल्ली मेट्रो सहित कई परियोजनाओं को प्रदेश से बिजली सप्लाई की जाती है। अब मध्यप्रदेश एक कदम आगे बढ़ते हुए कदम उठाने वाला है। एमपी सौर ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने जा रहा है। राज्य अपनी जरूरत की 50 प्रतिशत बिजली की आपूर्ति सौर ऊर्जा के माध्यम से करेगा। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग ने इसके लिए कार्ययोजना बनाई है। दरअसल, आठ हजार मेगावाट वाली सौर ऊर्जा की परियोजना मुरैना में स्थापित करने को लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच सहमति बन गई है। वहीं भिंड, शिवपुरी, आगर, धार, अशोकनगर और सागर में साढ़े सात हजार मेगावाट ऊर्जा क्षमता की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। अधिकारियों के अनुसार एमपी में वर्ष 2030 तक बिजली की जरूरत लगभग 40 हजार मेगावाट होगी। इसमें से आधी यानी 20 हजार मेगावाट बिजली सौर ऊर्जा के द्वारा बनाई जाएगी। गौरतलब है कि प्रदेश में वर्तमान समय में 26 हजार मेगावाट बिजली की जरूरत होती है, अभी सौर ऊर्जा से सात हजार मेगावाट बिजली की पूर्ति की जा रही है। जबकि सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 में जब 40 हजार मेगावाट बिजली की आवश्यकता हो सकती है। तब आधी बिजली की पूर्ति सौर ऊर्जा से हो सकती है।

प्लान के अनुसार 8 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा की परियोजना मुरैना में स्थापित की जाएगी। इस सौर ऊर्जा संयंत्र से मिलने वाली बिजली का छह महीने उपयोग मध्य प्रदेश, जबकि बाकि शेष 6 महीने उत्तर प्रदेश करेगा। सौर उर्जा प्रोजेक्ट के लिए 15 हजार हेक्टेयर भूमि भी चिन्हित कर ली गई है। गुजरात के गांधीनगर में चौथी ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर समिट में अवाडा ग्रुप ने पांच हजार करोड़ और रिन्यू पावर ने छह हजार करोड़ रुपये निवेश करने की रुचि दिखाई हे। इसके अलावा मध्य प्रदेश का जल संसाधन विभाग भी सौ मेगावाट की परियोजना पर काम कर रहा है।

राजधानी में सार्वजनिक स्थान पर नशा करते हुए 20 लोग गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल में सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वालों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान सार्वजनिक स्थान पर शराब और गांजा पीने वाले करीब डेढ़ दर्जन से ज्यादा लोगों को पकड़ा गया है।

आरोपियों के खिलाफ आबकारी और एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार शनिवार देर शाम रातीबड़ पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम कलखेड़ा रातीबड़ के पास दो युवक गांजा पी रहे हैं। इलाके में भ्रमण कर रही पुलिस टीम गवाहों को लेकर मौके पर

पहुंची। पुलिस को देख कर दोनों युवकों ने भागने का प्रयास किया, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम दुर्गेश पांडेय और संदीप कौल बताए। पुलिस ने उनके पास से गांजा पीने वाली चिलम और लाइटर समेत अन्य सामान जब्त किया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। इधर सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के मामले में बागसेवनिया में तीन, शाहजहांनाबाद में दो, हनुमानगंज और गौतम नगर एक-एक, मंगलवारा में दो और निशातपुरा में तीन लोगों को पकड़ा गया। सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। वहीं मिसरोद पुलिस ने ग्यारह मील ब्रिज के पास आकाश मीना और अजय मीना से 5500 रुपए की अवैध शराब जब्त की है।आरोपी कार में अवैध शराब रखकर ले जा रहे थे। इसी प्रकार गुनगा थाना पुलिस ने खेड़ी पुलिया के पास देवेंद्र अग्रवाल से डेढ़ हजार रुपए की अवैध शराब जब्त की है।

मध्यप्रदेश में ठंड की दस्तक, उत्तरी क्षेत्र में रात का तापमान 20 डिग्री

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में बेमौसम बारिश के बीच अब ठंड ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। उत्तरी क्षेत्र में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज पहुंचने लगा है। जबकि कुछ क्षेत्रों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक होने से धूप में चुभन बनी हुई है। राजगढ़, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, नौगांव, रीवा, टीकमगढ़ एवं उमरिया में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। बता दें कि शनिवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक खरगोन में 34 मिली मीटर बारिश हो गई। रतलाम में 9 मिमी, खंडवा में चार एवं बैतूल में दो मिलीमीटर वर्षा हुई।

इसके अलावा कुछ जिलों में बूंदाबांदी हुई। अन्य जिलों का मौसम शुष्क बना रहा। देश के अलग-अलग स्थानों पर इस समय चार मौसम प्रणालियों का प्रभाव मध्य प्रदेश पर पड़ रहा है। प्रदेश में विपरीत प्रकृति की हवाएं आ रही हैं, इनके संयोजन से प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश हो रही है। उत्तरी तमिलनाडु और उससे लगे दक्षिणी आंध्र प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना है, उत्तरी अंडमान पर हवा के ऊपरी भाग में भी एक चक्रवात है, जबकि राजस्थान और उससे लगे एमपी पर प्रति चक्रवात मौजूद है। मौसम विभाग के अनुसार अभी दो-तीन दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहने की संभावना है। प्रदेश की प्रमुख जिलों का अधिकतम तापमान देखें तो ग्वालियर में 36.8, भोपाल में 33.01, इंदौर में 33.3, पचमढ़ी में 28.8 और जबलपुर में 33.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो पचमढ़ी में 18.2, ग्वालियर में 19.7, इंदौर में 22.4 और जबलपुर में 19.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। एमपी में सर्वाधिक तापमान गुना में 37.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक रहा है।

एम्स के डॉक्टरों ने अग्न्याशय में फैले कैंसर के ट्यूमर को आठ घंटे में निकाला

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। एम्स भोपाल के डॉक्टर्स नए चैलेंज लेने के लिए तैयार रहते हैं। अब 55 साल के एक व्यक्ति के अग्न्याशय में फैले कैंसर के ट्यूमर को निकालना है। हालही में, 55 वर्षीय एक व्यक्ति, जो स्थानीय निवासी है, पिछले छह महीनों से ऊपरी पेट में गंभीर दर्द और पीलिया की समस्या से परेशान था।अन्य चिकित्सा संस्थानों में सहायता लेने के बावजूद उसे आराम नहीं मिल रहा था। इसके बाद एम्स भोपाल के मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी ओपीडी

में आया, जहां परीक्षण के बाद पता चला कि उसे अग्याशय कैंसर है। उसकी तकलीफ को कम करने के लिए और पित्त नली की रुकावट को दूर करने के लिए स्टेंटिंग प्रक्रिया की गई।

सफलतापूर्वक पूरी हुई सर्जरी

स्थिति स्थिर होने के बाद, मरीज को सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में भेजा गया। व्यापक परीक्षणों के बाद पुष्टि हुई कि उसके ट्यूमर को शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है, डॉ. नीलेश श्रीवास्तव और उनकी टीम ने व्हिपल प्रक्रिया की तैयारी की, जिससे मरीज के स्वस्थ होने की संभावनाएं बढ़ सकें। आठ घंटे तक चली यह सर्जरी सर्जिकल और एनेस्थीसिया टीमों के संयुक्त प्रयासों से सफलतापूर्वक पूरी हुई, जिसमें डॉ. शिखा जैन का भी योगदान रहा। ऑपरेशन के बाद, मरीज को सर्जिकल आईसीयू में उत्कृष्ट देखभाल मिली, जिससे उनकी रिकवरी बिना किसी जटिलता के संभव हो पाई।

बहुत खतरनाक होता है अग्नाशय कैंसर

डॉ निलेश श्रीवास्तव ने बताया कि अग्नाशय कैंसर अपनी आक्रामकता के लिए जाना जाता है, और प्रभावी प्रबंधन के लिए इसकी प्रारंभिक पहचान अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। ट्यूमर को हटाने के लिए व्हिपल प्रक्रिया, द्वारा की जाने वाली सर्जरी एक जटिल शल्य चिकित्सा है। एम्स भोपाल में पिछले एक वर्ष के दौरान 16 अग्न्याशय कैंसर मरीजों का सफल उपचार किया गया। यह उपलब्धि संस्थान की उन्नत चिकित्सा सेवाओं और जटिल स्थितियों के लिए जीवन रक्षक उपचार प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। डॉ श्रीवास्तव ने कहा है कि यह उपलब्धि न केवल एम्स भोपाल के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह संस्थान के उन्नत स्वास्थ्य सेवा के प्रति समर्पण को भी दशार्ती है, जो सभी मरीजों के लिए सहानुभूतिपूर्ण और उच्चतम गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो.अजय सिंह ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा है कि यह उपलब्धि हमारे समाज की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। प्रत्येक सफल सर्जरी हमारे मरीजों और उनके परिवारों के लिए आशा का प्रतिनिधित्व करती है। एम्स भोपाल में, हम उपचार की किरण बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और चिकित्सा उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। मैं हमारी पूरी टीम की मेहनत और समर्पण की सराहना करता हूं, जिसने इस उपलब्धि को संभव बनाया।

सम्पादकीय

भारत-कनाडा के रिश्तों में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट

भारत और कनाडा के बीच तनाव खासकर जून 2023 में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से काफी बढ़ गया है। इस घटना के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित करने जैसी कड़ी कार्रवाइयां कीं, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में तनाव और गहरा हो गया। यह विवाद सिख अलगाववाद से जुड़े पुराने मुद्दों और दोनों देशों के बीच विभिन्न मामलों पर आलोचनाओं के आदान-प्रदान से जुड़ा हुआ है, जिनमें भारत में किसानों के विरोध प्रदर्शन भी शामिल हैं।

भारत और कनाडा के बीच तनाव खासकर जून 2023 में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से काफी बढ़ गया है। इस घटना के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित करने जैसी कड़ी कार्रवाइयां कीं, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में तनाव और गहरा हो गया। यह विवाद सिख अलगाववाद से जुड़े पुराने मुद्दों और दोनों देशों के बीच विभिन्न मामलों पर आलोचनाओं के आदान-प्रदान से जुड़ा हुआ है, जिनमें भारत में किसानों के विरोध प्रदर्शन भी शामिल हैं। गत एक वर्ष से अधिक समय से भारत तथा कनाडा के बीच जारी कड़वे विवाद का जो चरम हाल ही में देखने में आया है, वह दोनों देशों के दीर्घकालीन संबंधों के हित में कदापि नहीं कहा जा सकता है। निश्चय ही यह दोनों देशों के रिश्तों में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। अपने घरेलू राजनीतिक हितों को साधने के लिए जस्टिन ट्रूडो के हालिया तल्ख आरोपों के चलते ही भारत आलोचना- निंदा जैसे कदमों से कहीं और आगे निकल गया है। भारत की यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही थी जब जून 2023 में कट्टरपंथी सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर, जिसे भारत ने आतंकवादी घोषित किया था, की हत्या में शीर्ष भारतीय राजनयिकों की संलिप्तता के आरोप कनाडा सरकार द्वारा लगाए गए। नई दिल्ली ने खुले तौर पर इस कटुता को पैदा करने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नकारात्मक भूमिका का आरोप लगाया है। जिसके मूल में उनका घरेलू राजनीतिक एजेंडा है। भारत सरकार ने उन पर आरोप लगाया है कि अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिए तैयार घरेलू एजेंडे के तहत ही जस्टिन ट्रूडो भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रहे हैं। निश्चित रूप से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम की परिणति के चलते राजनयिकों के निष्कासन ने दोनों देशों के संबंधों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यह निर्विवाद सत्य है कि पिछले एक साल से जारी इस विवाद को सुलझाने में कनाडा की तरफ से संयम दिखाने के प्रयास ना के बराबर ही हुए हैं। इसकी जवाबदेही जस्टिन ट्रूडो को ही स्वीकारनी होगी। दरअसल, कनाडा में अल्पमत सरकार चला रहे जस्टिन ट्रूडो लगभग नौ वर्ष के कार्यकाल के दौरान अपने घर में लगातार अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। यहां तक कि उनके अपने राजनीतिक दल लिबरल पार्टी में उनका मुखर विरोध हो रहा है। इसके चलते पार्टी के भीतर पद छोड़ने को लेकर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जो उनकी अपरिपक्व राजनीति का ही पर्याय कहा जा सकता है। दरअसल, अपनी सत्ता को डांवाडोल होते देख, कनाडा के लोगों का ध्यान हटाने के लिये ट्रूडो इस तरह के अप्रिय विवादों को हवा दे रहे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि सत्ता पर कब्जा बनाए रखने के लिये ट्रूडो सिख चरमपंथी तत्वों का तुष्टीकरण करने हेतु इस तरह के आरोपों को हवा दे रहे हैं। निश्चय ही भारत पर इस तरह के आरोप, राजनीतिक आकांक्षाओं के चलते लगाने से भारत के साथ कनाडा के संबंधों को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई करना अगले कुछ वर्षों में संभव नहीं हो सकेगा। निस्संदेह इस घटनाक्रम ने राजनयिक संकट को और गहरा किया है। इसमें दो राय नहीं कि भारत कनाडा सरकार द्वारा लगातार अलगाववादियों को समर्थन देने पर चिंता व्यक्त करता रहा है। लेकिन अपनी सरकार बचाने में जुटे जस्टिन ट्रूडो ने भारत की मांग को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया है। जो मामला अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। यह अजीब बात है कि कनाडा सरकार सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिए आपराधिक नेटवर्क चलाने का आरोप लगा रही है।

माइक्रोआरएनए... कैंसर के इलाज की उम्मीद जगी

माइक्रोआरएनए की खोज और ट्रांसक्रिप्शन के बाद जीन एक्प्रेशन को रेगुलेट करने में उनकी भूमिका के लिए अमेरिका के दो विज्ञानियों विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को साल 2024 का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिलेगा। माइक्रो आरएनए जेनेटिक मैटेरियल आरएनए का सूक्ष्म हिस्सा होता है जो कोशिका के स्तर पर जीन की कार्यप्रणाली को बदलने देता है। माइक्रो आरएनए की जीन की गतिविधि को नियंत्रित करने और जीवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दोनों विज्ञानियों की खोज ने जीन को नियंत्रित करने के नए सिद्धांत के बारे में बताया है।

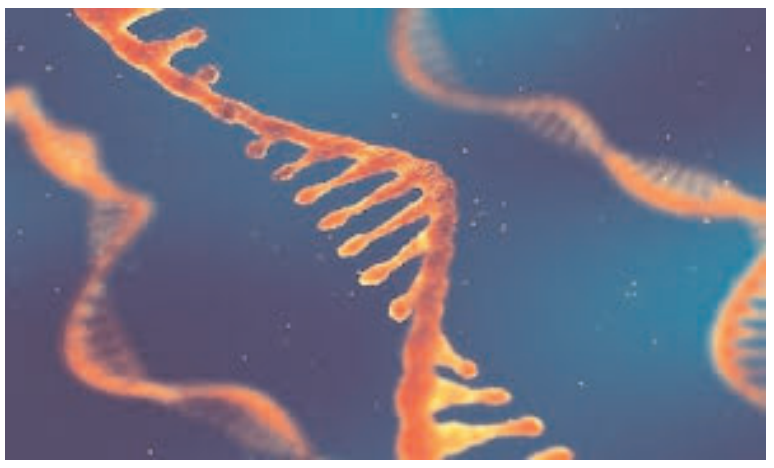

माइक्रोआरएनए की खोज और ट्रांसक्रिप्शन के बाद जीन एक्प्रेशन को रेगुलेट करने में उनकी भूमिका के लिए अमेरिका के दो विज्ञानियों विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को साल 2024 का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिलेगा। नोबेल असेंबली ने कहा है कि उनकी खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। दोनों विज्ञानियों को संयुक्त रूप से 10 दिसंबर को पुरस्कार मिलेंगे। दरअसलस माइक्रो आरएनए जेनेटिक मैटेरियल आरएनए का सूक्ष्म हिस्सा होता है जो कोशिका के स्तर पर जीन की कार्यप्रणाली को बदलने देता है। माइक्रो आरएनए की जीन की गतिविधि को नियंत्रित करने और जीवों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दोनों विज्ञानियों की खोज ने जीन को नियंत्रित करने के नए सिद्धांत के बारे में बताया है।

उनके शोध से यह समझने में मदद मिली कि शरीर में कोशिकाएं कैसे काम करती हैं। एंब्रोस ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में माइक्रो आरएनए को लेकर शोध किया। वह यूनिवर्सिटी आफ मैसाचुसेट्स मेडिकल स्कूल में नेचुरल साइंस के प्रोफेसर हैं, जबकि रुवकुन ने यह शोध मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में किया। पिछले साल कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को चिकित्सा का नोबेल दिया गया था। इन्हें न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए यह सम्मान दिया गया था। इस खोज की वजह से कोरोनावायरस यानी सीओवीआईडी-19 के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास में मदद मिली थी।

नोबेल दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जिसके तहत विजेताओं को एक स्वर्ण पदक, प्रमाणपत्र और उसके साथ करीब एक करोड़ स्वीडिश क्रोना (करीब 8.3 करोड़ रुपए) की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाती है। सर अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के अनुसार, मेडिसिन यानी चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 1901 से किसी भी देश के उस वैज्ञानिक या संगठन को दिया जाता है, जिसने मेडिसिन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। यह उन पांच नोबेल पुरस्कारों में से एक है, जिसे सर अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत में सन 1895 में स्थापित किया गया था।

माइक्रोआरएनए एक छोटा अणु है जो जीन गतिविधि को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भले ही हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं में एक जैसे जीन होते हैं, लेकिन विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं, जैसे मांसपेशी और तंत्रिका कोशिकाएं, अलग-अलग कार्य करती हैं। यह जीन रेगुलेशन के कारण संभव है, जो कोशिकाओं को केवल उन जीनों को 'चालू' करने की अनुमति देता है जिनकी उन्हें आवश्यकता होती है। यह खोज जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके को समझने के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। माइक्रोआरएनए को लेकर एम्ब्रोस और रुवकुन की खोज ने इस विनियमन के होने का एक नया तरीका बताया है। अमेरिकी विज्ञानी विक्टर एंब्रोस ने 1993 में पहला माइक्रो आरएनए खोजा था। जीवविज्ञानी गैरी ब्रूस रुवकुन ने दूसरे माइक्रो आरएनए एलईटी-7 की खोज की थी। उन्होंने पता लगाया कि विक्टर एंब्रोस द्वारा पहचाना गया पहला माइक्रो आरएनए लिन-4 आरएनए को कैसे नियंत्रित करता है।

हमारे शरीर की हर कोशिका में लगभग 20,000 जीन होते हैं। ये जीन, प्रोटीन बनाने के लिए आवश्यक निर्देशों को एन्कोड करते हैं। प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स की तरह होते हैं। लेकिन हर कोशिका के काम करने का तरीका अलग होता है। जैसे मांसपेशी कोशिका और तंत्रिका कोशिका अलग-अलग काम करती हैं। इसलिए हर कोशिका को अलग-अलग तरह के प्रोटीन की जरूरत होती है। इसका मतलब है कि हर कोशिका में कुछ खास जीन ही काम करते हैं। ये जीन, कोशिका के आसपास के वातावरण के अनुसार बदलते रहते हैं। जब कोई जीन काम करना शुरू करता है, तो उस जीन से एक नया अणु बनता है जिसे मैसेंजर आरएनए कहते हैं। यह आरएनए प्रोटीन बनाने के लिए कोशिका के एक हिस्से में जाता है। बहुत समय तक वैज्ञानिकों का मानना था कि जीन की गतिविधि मुख्य रूप से डीएनए से जुड़ने वाले विशेष प्रोटीन द्वारा नियमित होती है, जिन्हें ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर कहा जाता है। लेकिन विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन ने एक नई खोज की। उन्होंने पाया कि माइक्रोआरएनए नाम के बहुत छोटे अणु भी इस काम में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जब ये दोनों वैज्ञानिक 1993 में एक सीरिज में लगातार लैब में प्रयोग कर रहे थे, तो तब इन्होंने एक छोटे से कीड़े, सी. एलिगेंस में, एक विशेष प्रकार के मोलिक्युल की खोज की। इस मोलिक्युल को उन्होंने लिन-4 नाम दिया। बाद में यही मोलिक्युल माइक्रोआरएनए कहलाया। इसी तरह साल 2000 में वैज्ञानिकों ने एक और माइक्रोआरएनए, लेट-7 की खोज की। यह माइक्रोआरएनए न केवल सी. एलिगेंस में बल्कि सभी जानवरों में पाया जाता है। अबतक एक हजार से ज्यादा माइक्रोआरएनए खोजे जा चुके हैं।

इंपीरियल कालेज लंदन में मोलेक्युलर आंकोलाजी की लेक्चरर डॉ. क्लेयर फ्लेचर के अनुसार इस शोध ने कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए विज्ञानियों के रास्ते खोल दिए हैं। माइक्रो आरएनए कोशिकाओं को नए प्रोटीन बनाने के लिए जेनेटिक निर्देश देता है। यह रोगों के उपचार के लिए दवाओं के विकास और बायोमार्कर के रूप में उपयोगी हो सकता है। त्वचा कैंसर के इलाज में माइक्रोआरएनए तकनीक किस तरह से मददगार हो सकती है, यह देखने के लिए क्लीनिकल परीक्षण चल रहे हैं। हमारे गुणसूत्रों में मौजूद जानकारी हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं के लिए निर्देश पुस्तिका की तरह है। हर कोशिका में एक जैसे गुणसूत्र होते हैं, इसलिए उन सभी के पास निर्देशों का एक ही सेट होता है। लेकिन मांसपेशी और तंत्रिका कोशिकाओं जैसी विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं एक दूसरे से बहुत अलग होती हैं। यह मनुष्यों सहित दूसरे जीवों के लिए बेहद मायने रखता है। आज, हम जानते हैं कि मानव शरीर में एक हजार से ज्यादा माइक्रो आरएनए होते हैं। ऐसे में उनकी खोज ने हमें जीवों के बढ़ने और काम करने के तरीके के बारे में एक नया पहलू समझने में मदद की है। बता दें कि ब्राजील की फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ साओ पाउलो के शोधकर्ताओं ने बताया था कि इंसानों के रक्त में मौजूद माइक्रो आरएनए का संबंध मानसिक स्वास्थ्य विकास से मिला है। इस चिकित्सा अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसानों के शरीर में बाह्य कोशिकाओं (ईवीएस) में माइक्रो आरएनए का विश्लेषण किया था और उसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों से जुड़ा पाया था। ईवीएस, इंसानों के शरीर की अधिकांश कोशिकाएं जैसे न्यूरॉन, तंत्रिका तंत्र के जरिए पैदा होते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, इंसानों के शरीर में माइक्रो आरएनए छोटे प्रतिलेख समान होते हैं जो संदेशवाहक आरएनए को लक्षित करते हुए एक साथ कई जीन की अभिव्यक्ति को नियंत्रित करते हैं। इन्हें बायो फ्लुइड्स और ईवीएस में पाया जा सकता है। इन माइक्रो आरएनए का संबंध मानसिक विकार जैसे अवसाद, चिंता और ध्यान की कमी, अति सक्रियता विकार (एडीएचडी) से मिला है। शोधकर्ताओं का मानना है कि इस अध्ययन के जरिये भविष्य में मानसिक स्वास्थ्य विकारों से ग्रस्त रोगियों के शीघ्र निदान और उपचार किया जा सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक बाह्य कोशिकाओं का सबसे छोटा प्रकार जिसे एक्सोसोम कहते हैं, रक्त के जरिये मस्तिष्क तक पहुंचता है। यह मस्तिष्क को रोगजनक और अन्य विषाक्त पदार्थों से बचाता है। शोधकर्ता प्रो. जेसिका होने राटो माउर के मुताबिक अभी इन माइक्रो आरएनए को मान्य करने के लिए और अधिक काम होना बाकी है। हालांकि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि बाह्य कोशिकाओं से आनुवंशिक सामग्री को गैर-आक्रामक रूप से पहचाना जा सकता है। हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हो सकते हैं कि विश्लेषण किए गए एक्सोसोम मस्तिष्क से आए हैं, लेकिन हम जानते हैं कि वे कई प्रकार के ऊतकों में जीन अभिव्यक्ति को नियंत्रित करते हैं और उन तंत्रों में शामिल हो सकते हैं जो मानसिक स्वास्थ्य विकारों के जोखिम को बढ़ाते हैं। इस अध्ययन में कुल 116 मरीजों को शामिल किया गया जिन्हें बचपन में मानसिक विकारों को लेकर परेशानियां रहीं। तीन साल के अंतराल पर इन मरीजों से लिए दो बार रक्त के नमूने लिए गए और उसमें मौजूद बाह्य कोशिकाओं को रक्त सीरम से निकालने के बाद इसकी विशेषता बताई गई। शोधकर्ताओं ने बाह्य कोशिकाओं से पैदा होने वाले माइक्रो आरएनए को प्राप्त करने के लिए नमूनों के सीक्वेंस किए। इसके बाद मरीजों को चार समूह में रखा गया। हालांकि इससे उन्हें कोई सांख्यिकी महत्वपूर्ण अंतर नहीं मिला लेकिन इसके परिणामों का उपयोग भविष्य के मेटा-विश्लेषण जांच में किया जा सकता है।

आणविक जीव विज्ञान के प्रो. मार्कोस लेइट सैंटोरो का कहना है कि इस अध्ययन के बाद भविष्य में माइक्रो आरएनए को लेकर भविष्यवाणी करना आसान होगा। भविष्य में डीएनए, एक्सोसोम और पर्यावरण को लेकर एकीकृत भविष्यवाणियां करना संभव होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह आगामी दिनों में माइक्रो आरएनए को लेकर वैज्ञानिक शोध बढ़ाएंगे, वैसे वैसे इसकी ताकतों के बारे में दुनिया को पता चलेगा।

ट्रंप अगर अमेरिका के राष्ट्रपति बने, तो यह हो सकता है अच्छा

अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इस चुनाव पर भारत के भी कई वर्गों की नजर है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और रणनीतिक साझेदार है। पहले, भारत के बुद्धिजीवी आमतौर पर अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन करते थे। लेकिन, अब ऐसा नहीं है क्योंकि डेमोक्रेटिक पार्टी अब 'वोक' विचारधारा का समर्थन कर रही है, जिससे कुछ भारतीय लोग सहमत नहीं हैं। वहीं दूसरी तरफ, हिंदू-अमेरिकी लोग रिपब्लिकन पार्टी में ईसाई धर्म के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। भारतीय-अमेरिकियों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर न तो ट्रंप और न ही हैरिस ने अपने विचार रखे हैं। कनाडा की तरह, जहां खालिस्तानी समर्थक लोगों ने भारत-कनाडा संबंधों को खराब करने की कोशिश की है, अमेरिका में ऐसा कुछ नहीं हुआ है। हालांकि, ट्रंप ने भारत के टैरिफ नियमों की आलोचना की है, लेकिन उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया है कि चीन व्यापार और सेना के मामले में कोई भी गलत कदम न उठाए, जो भारत के लिए एक राहत की बात है। हैरिस की आर्थिक नीतियों के बारे स्पष्टता की कमी के कारण भारतीय लोग उन पर कम भरोसा कर रहे हैं।

भारत को बाइडेन सरकार की विदेश नीतियों को लेकर जो चिंताएं हैं, वो कमला हैरिस के राष्ट्रपति बनने पर भी जारी रह सकती है। उदाहरण के लिए अमेरिका ने बांग्लादेश में सरकार बदलने में भूमिका निभाई और एक ऐसी सरकार को सत्ता में लाने में मदद की जो इस्लाम के प्रति नरम रुख रखती है और भारत के प्रति दोस्ती नहीं रखती है। इस वजह से, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़े हैं और देश में अराजकता फैली हुई है। कुछ लोगों का मानना है कि अगर बाइडेन सरकार अपने अलग-अलग विभागों पर बेहतर नियंत्रण रखती तो ऐसा नहीं होता। हालांकि, इस बात की संभावना है कि अगर हैरिस राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो अमेरिका इसी तरह की नीतियां अपनाना जारी रख सकता है।

यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि जिस माहौल पर हैरिस की अध्यक्षता निर्भर करेगी वह भारत में नरेंद्र मोदी सरकार के प्रति सहानुभूति नहीं रखती है। अमेरिका में नए डेमोक्रेटिक नेतृत्व में यूनिवर्सिटी का बहुत प्रभाव है, जिससे इजरायल और भारत दोनों को ही नकारात्मकता का सामना करना पड़ सकता है। इसका एक उदाहरण 'फाइव आइज' समूह द्वारा उत्तरी अमेरिका में सिख उग्रवाद को रोकने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों की आलोचना करना है। ऐसा लगता है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने भारत पर कनाडा के हमलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय एनजीओ और मिशनरी संगठनों पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, जो बांग्लादेश के मामले में अमेरिका की विदेश नीति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने से भी नहीं कतराते थे और इससे अमेरिका नाराज हो गया था। मीडिया में यह अटकलें हैं कि कनाडा में ट्रूडो सरकार को अमेरिका का समर्थन उपराष्ट्रपति हैरिस के कार्यालय द्वारा मिला था।

हालांकि, यह उन पहले से मौजूद तनावों पर आधारित है जिन्हें जॉर्ज सोरोस जैसे लोग उजागर करने से नहीं कतराते हैं।

अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका हाइली एजुकेट भारतीय समुदाय की रही है, लेकिन अमेरिकी चुनाव सर्वे से पता चलता है कि इस सामाजिक समूह का एक बड़ा हिस्सा ट्रंप के खिलाफ है। क्या यह भारतीय-अमेरिकियों (या यहूदी समुदाय) के मामले में भी सच है, यह अटकलों का विषय है। हालांकि, यह निश्चित है कि भारत के अंग्रेजी बोलने वाले अभिजात वर्ग ट्रंप के प्रति सामाजिक तिरस्कार को दशार्ते हैं। हालांकि कुछ लोगों को ट्रंप का व्यवहार पसंद नहीं आता है, लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि उनके राष्ट्रपति बनने से कुछ महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं जो भारत के लिए फायदेमंद हैं। इनमें चीन के प्रभाव को कम करना, यूरोपीय संघ के प्रभाव को कम करना, इजरायल को अपनी सुरक्षा चिंताओं से परे देखने की अनुमति देना और हिंद-महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका को बढ़ावा देना शामिल है। भारत के नजरिए से ये सभी सराहनीय उद्देश्य हैं। बता दें कि अमेरिका को लेकर इस समय पूरी दुनिया में लोगों का ध्यान इस बात पर है कि 5 नवंबर को होने वाले चुनाव के बाद राष्ट्रपति कौन चुना जाएगा? लेकिन अमेरिका में सिर्फ प्रेसिडेंट के लिए ही वोट नहीं डाले जाएंगे। अमेरिकी वोटर राष्ट्रपति के अलावा अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों का भी चुनाव इसी तारीख को करेंगे। ये सदस्य यूएस में किसी बिल या कानून को पास कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। अमेरिकी संसद को कांग्रेस कहा जाता है। भारत की तरह ही यहां दो सदन होते हैं। भारत के निचले सदन यानी लोकसभा की तरह वहां होती है प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव। जिसके सभी 435 सीटों के लिए चुनाव होते हैं। भारत के उच्च सदन यानी राज्यसभा की तरह वहां का उच्च सदन सीनेट कहलाता है। जिसके 100 सदस्य होते हैं लेकिन एक-तिहाई यानी 34 सीटों के लिए ही चुनाव हो रहे हैं। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव जिले के आधार पर तय होता है। हर जिले से एक। इनका कार्यकाल दो साल का होता है।

सड़कों पर पसरता संकट...हमारी जिंदगी में लिखी जा रही नई दुर्भाग्य-गाथा

यह किसी पुलिस थाने के रोजनामचे में दर्ज एक हादसा भर नहीं है। यह समय का वह दस्तावेज है, जो हमारी और आपकी जिंदगी में नई दुर्भाग्य-गाथा लिख रहा है। वाकया देश की राजधानी का है। वहां हर्ष विहार इलाके में दो भाई रामलीला देखने गए थे। चारों ओर भीड़ थी। लोग खरामा-खरामा अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे थे। हिमांशु और अंकुर भी उन्हीं में थे। वे रामलीला स्थल पर पहुंचे ही थे कि तेज गति से आती एक बाइक उनसे टकराते-टकराते बची। बाइक पर गैर-कानूनी तौर से तीन लोग सवार थे। उन दोनों ने बाइक सवारों को धीरे चलने की हिदायत क्या दी कि कयामत बरपा हो गई। बाइक सवारों ने चाकू निकाल लिए। उन्होंने अंकुर पर ताबड़तोड़ वार किए और हिमांशु को भी घायल कर दिया। रामलीला मैदान के समीप जिस समय यह रावणलीला आकार ले रही थी, हजारों लोगों की भीड़ थी। उम्मीद की जाती है कि ऐसे में लोग उन्हें बचाने के प्रयास करते। हमलावर कुलजमा तीन थे और उनके पास कोई घातक एके-47 या बम-गोले नहीं थे। वे बस चाकुओं से लैस थे। अगर आधा दर्जन लोग भी चाह लेते, तो एक परिवार उजड़ने से बच जाता। ऐसा नहीं हुआ।

हत्यारे बेरहमी से अंकुर के शरीर को गोदते रहे। उसके सीने, गर्दन, पेट और जांघों पर गंभीर चोटें आईं। हिमांशु को भी चाकू से घाव लगे। इसके बावजूद वह किसी तरह अपने लहूलुहान भाई को ई-रिक्शा में लादकर पास के अस्पताल पहुंचा। तब तक अंकुर के प्राण-पखेरू उड़ चुके थे। आपने पहले भी ऐसे तमाम हादसों के बारे में पढ़ा-सुना होगा, जब कोई घायल हो गया अथवा किसी हमले में दम तोड़ने लगा, तो लोग उसे बचाने के बजाय वीडियो रील बनाने में मशगूल हो गए। ऐसा करने वाले भूल क्यों जाते हैं कि वे इसी समाज का हिस्सा हैं और कभी उन्हें भी संवेदना और सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है?

कल्पना करें। अगर मृतक या हत्यारों के धर्म अलग होते, तो क्या होता? कुछ बरस पहले इसी दिल्ली में एक डॉक्टर की हत्या इसी तरह के मामूली विवाद के दौरान कर दी गई थी। मारने वाले किशोर थे, परंतु उनका धर्म अलग था। कैसा हंगामा बरपा हुआ था? सोशल मीडिया के अदृश्य रंगरेज तथ्यों को मन-मुआफिक रंगत देने में जुटे पड़े थे। इस 'धर्मयुद्ध' में खेत क्या रहा? सिर्फ और सिर्फ रोडरेज का मुद्दा। क्या हम एक वहशी और संवेदनहीन समाज की संरचना कर रहे हैं? इस प्रश्न के उत्तर के लिए देश की टेक कैपिटल मानी जाने वाली बेंगलुरु सिटी का यह वाकया सुन लीजिए। एक महाकाय कंपनी में कार्य करने वाले वरिष्ठ एग्जीक्यूटिव अपनी पत्नी और नौ महीने की बच्ची के साथ कहीं जा रहे थे। अचानक उनके सामने एक बाइक रुकती है। उस पर सवार व्यक्ति बेहद आक्रामकता के साथ उनके बोनट पर हाथ मारने लगता है। वह अवाक रह जाते हैं। उन्हें मालूम ही नहीं कि उनका कुसूर क्या है? जब तक वह माजरा समझ पाते, तब तक वह व्यक्ति गाड़ी का वाइपर नोचकर उसे शीशे पर दे मारता है। विंडस्क्रीन चटक जाती है, लेकिन वह रुकता नहीं। गाड़ी की अगली सीट पर बैठी उनकी पत्नी सहायता के लिए चीखने लगती हैं। उनकी गोद में सो रही महज नौ महीने की अबोध बच्ची यह शोरगुल सुनकर जाग जाती है। ऐसी चीख-पुकार उसके लिए अब तक अनजानी है। दहशत के अतिरेक में वह भी चीत्कार कर उठती है। वह व्यस्त मार्ग है। तमाशबीन जुट पड़ते हैं। ट्रैफिक बाधित हो जाता है। इसके बावजूद हमलावर रुकता नहीं, कोई उसे रोकता भी नहीं है। लोग उस दंपति को बचाने के बजाय रील बनाने लगते हैं। वह रील देखते-देखते वायरल हो जाती है। पुलिस उस पर संज्ञान भी लेती है, मगर यह हादसा उस पेशेवर दंपति पर भारी पड़ता है। घर लौटते-लौटते उस अबोध बच्ची को भयंकर बुखार हो आता है। वह सो नहीं पाती और बेचैन रहती है। डॉक्टरों के अनुसार, उसे 'पैनिक अटैक' पड़ रहे थे। वह हफ्ता भर बीमार रहती है। मालूम नहीं, उस बच्ची के अवचेतन मस्तिष्क से वह हादसा कभी जाएगा भी या नहीं?

एक किंवदंती है। नेपोलियन बोनापार्ट महज कुछ महीने का था, तभी उसके सीने पर एक बिल्ली आ बैठी थी। आगे चलकर वह इतना बड़ा सूरमा बन बैठा, लेकिन बिल्लियां उसकी कमजोरी बनी रहीं। अंग्रेज सेनापति ड्यूक ऑफ विलिंगटन नेपोलियन की इस कमजोरी को जानता था। यही वजह है कि जब उसे अजेय फ्रेंच सेना से जूझने की जिम्मेदारी सौंपी गई, तब उसने वॉटर लू के मैदान में दर्जनों बिल्लियां छोड़ दी थीं। तोप के गोलों, बंदूकों की गोलियों और धमाकों के बीच ये बिल्लियां भी भयाक्रांत हो म्याऊं-म्याऊं कर रही थीं। रणनीति के अनुरूप नेपोलियन बिल्लियां देखकर आपा खो बैठा और उस कौशल का प्रदर्शन नहीं कर सका, जिसके लिए वह जाना जाता था। हो सकता है, इतिहास की किताबें इस किस्से को सही न ठहराएं, लेकिन ऐसे किस्से गढ़े ही इसलिए जाते हैं, ताकि लोग इनके अंतर्निहित भावों से अपने जीवन के निष्कर्ष गढ़ सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि बालपन के दौरान यदि कोई सदमा अवचेतन मस्तिष्क में बैठ जाता है, तो समूची जिंदगी उसकी परछाइयां गुल खिलाती रहती हैं। तमाम मनोवैज्ञानिकों ने इस पर शोध प्रबंध लिखे हैं।

नई दिल्ली के अंकुर की तरह उस अबोध का कुसूर क्या था? हमारे चारों ओर ऐसे हतभागी फैले हुए हैं। वे लगातार फैलते जा रहे हैं, लेकिन इसकी रोकथाम के लिए कोई कारगर रणनीति नहीं है। देश की राजधानी दिल्ली में 2022 में ऐसे 76 मामले सामने आए थे। अगले साल इनकी संख्या बढ़कर 84 तक पहुंच गई। इस साल अगस्त तक 62 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। मिस्टर ऑटो रोड सेफ्टी इंडेक्स 2019 के अनुसार, रोडरेज के मामलों में कोलकाता और मुंबई सबसे आगे हैं। एनसीआरबी और सड़क परिवहन मंत्रालय ने हादसों पर जो रिपोर्ट जारी की है, उससे ऐसा लगता है कि अभी तक उन्हें रोडरेज के मामलों में अलग श्रेणी बनाने की सुध नहीं आई है। यहां यह भी गौरतलब है कि रोडरेज के ज्यादातर मामले तो पुलिस के रोजनामचों तक पहुंच ही नहीं पाते हैं। केवल गंभीर मामलों में ही रिपोर्ट दर्ज कराई जाती है। एक और बात। इस कॉलम के लिए रिसर्च करते वक्त मैंने पाया कि न केवल आंकड़े आधे-अधूरे हैं, बल्कि बेहतरीन शोधार्थियों की भी दृष्टि इस मुद्दे पर नहीं पड़ी है। सरकार और समाज, दोनों की यह बेरुखी भारी पड़ सकती है। समय आ गया है कि हम इसे सामाजिक बुराई मानते हुए नई रणनीति तय करें, पर ऐसा कब होगा? इसके लिए कितने अंकुर और अबोधों को बलि देनी होगी?

दीपक माझी हुए अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान संरक्षक नियुक्त

लोगों के प्रति समर्पित रहना पहली प्राथमिकता– समाजसेवी पवन चीनी

सुशिल सोनी | सिटी चीफ |
अनूपपुर द्य शहडोल, अनूपपुर जिले में गौ रक्षा के लिए लोग अपने-अपने हाथ आगे कर रहे हैं इसी क्रम में श्री अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान व गौ सेवा संगठन क्षेत्रीय कार्यालय धनपुरी के गौ सेवा प्रमुख राम दुबे एवं गौ सेवा प्रमुख गौरव मिश्रा शहडोल के द्वारा दीपक माझी उर्फ लालू धनपुरी एक नंबर को गौ सेवा संगठन का गौ सेवा संरक्षक नियुक्त करते हुए बड़ी जिम्मेदारी दी है जिसमें उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल में पूरे समर्पण भाव गायों के संवर्धन का कार्य करते हुए अटल गौ सेवा संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे तथा गौ सेवा परिवार में हम सदस्य आपको अभिनंदन करते रहेंगे।दीपक माझी उर्फ लालू के द्वारा नवरात्रि के समय धनपुरी नंबर 1 में अद्भुत झांकी के साथ माता रानी के विशाल मूर्ति की स्थापना कराई गई थी, साथ ही विशाल देवी जागरण का आयोजन भी कराया गया था जिसकी प्रशंसा आसपास क्षेत्र में लगातार की जा रही है वैसे भी दीपक उर्फ लालू पहले से ही

समाजसेवी के रूप में जाने और पहचाने जाते हैं,उनकी इस उपलब्धि पर पवन चीनी मित्र मंडली के मुख्य सदस्य पवन चीनी ने बधाई दी है पवन चीनी पहले से ही समाज के प्रति निष्ठा भाव से लगे रहते हैं इनके द्वारा कोरोना काल के समय भूखे और लाचारों को भरपूर पेट भोजन उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता थी, साथ ही लोगों को ब्लड डोनेट करना और गरीब बच्चियों की शादी में मदद करते रहने के साथ खेलकूद जैसे आयोजनों में सहयोग करना और गणेश पूजा में सहयोग करने के साथ व नवरात्रि के समय विशाल गरबा महोत्सव का आयोजन की बात करें तो शहडोल तथा अनूपपुर जिले में चर्चाएं हो रही है, लोगों की हर दम मदद करते रहना इनकी आदत सी बन गई है, इनका कहना है कि भूखे को रोटी देने से आदमी छोटा नहीं हो जाता है, इसलिए हर समय हर किसी की मदद करनी चाहिए , जिससे पुन्य मिलता है , लोगों की मदद करने से आदमी छोटा नहीं होता है । साथ ही बधाई देने वालों में पवन चीनी मित्र मंडली के सदस्य सुनील ओटवानी,सचिन पुरी, अमरजीत सिंह, पार्षद समाजसेवी पवन चीनी, संजय ओटवानी , नीरज चतुर्वेदी, विशाल पुरी,अनिल तिवारी, सोनू आहूजा, नितिन सिंह राणा, देवी सिंह, रवि विश्वकर्मा, शालू विश्वकर्मा, सनी गुप्ता, शारदा केसरवानी, मनीष वाधवानी, मोंटी पनिका, राहुल सिंह, प्रकाश सिंह, अरविंद राय, अनिल केवट ने बधाई दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की है

सामतपुर तालाब अनूपपुर में लगे फुब्बारा का केबिल तार चोर रंगे हाथ गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ |
अनूपपुर, शनिवार की दोपहर वार्ड न. 02 अनूपपुर के पार्षद संजय चौधरी एवं संजू राठौर के द्वारा सामतपुर तालाब में नगर पालिका अनूपपुर के द्वारा सौंदर्य सौंदर्यीकरण हेतु लगाये गये फुब्बारा के केबिल तार को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा काटकर निकालते देखा गया जो प्रभारी सी.एम.ओ. डी.एन. मिश्रा के द्वारा सूचना टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन को दी जिस पर प्रधान आरक्षक रीतेश सिहं, आरक्षक अमित यादव, दीपक बुन्देला के द्वारा सामतपुर तालाब पहुंचकर फुब्बारा के केबिल तार चोरी करने वाले आरोपी राजेश कुशवाहा पिता जगदीश कुशवाहा उम्र करीब 28 साल निवासी भूरा पेट्रोल पम्प के सामने, अमलाई, जिला शहडोल को चोरी किये

गये केबिल तार कीमती 50000 रूपये के साथ रंगे हाथो पकड़ा जाकर थाना लाया गया एवं आरोपी के विरूद्ध थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 459/24 धारा 303(2) बी.एन.एस. में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन में कोतवाली पुलिस द्वारा पकड़े गये आरोपी का पुलिस रिमाण्ड लिया जाकर जिले में हुई अन्य चोरियों एवं चोरी का माल खरीदने वालो के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कोतमा पुलिस द्वारा मवेशी से लोड पीकप वाहन को किया जप्त

चालक/तस्करों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, अनूपपुर दिनांक 20.10.2024 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि निगवानी तरफ से एक पीकप वाहन में मवेशी लोड कर ,परिवहन करते कोतमा की ओर आने वाली है की सूचना पर हमराह पुलिस स्टाफ के मौके से निगवानी रोड़ पर जाकर रेड कार्यवाही की गई पीकप वाहन चालक व उसके साथी पुलिस के वाहन को देखकर रात्रि अंधेरा का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे, उक्त पीकप वाहन में 06 नग मवेशी लोड होना पाया गया, मवेशी एवं उक्त पीकप वाहन को मौके से कुल कीमती 1450000/- जप्त की गई मवेशियों को सुरक्षार्थ कांजी हाउस में रखवाया गया है , उक्त वाहन के चालक के विरूद्ध मध्य प्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4,6 (क) 10 एवं पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 घ ,ड,च के तहत अपराध पंजीबद्ध कर

विवेचना में लिया गया है चालक के दस्तयाब होने पर और परिवहन करने वाले संलिप्त तस्करों के नाम विवेचना दौरान आने पर खुलासा किया जायेगा,उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक रविकरण दुबे, प्र.आर.राजाराम, आर.प्रदीप, राकेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

सोशल मीडिया पर लाल-नीली बत्ती लगी बोलेरो वाहन के साथ केक काटने और हर्ष फायरिंग करने वाले वीडियो पर त्वरित पुलिस कार्रवाई

सुनील यादव | सिटी चीफ
कटनी, कटनी पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो पर त्वरित और सख्त कार्रवाई करते हुए दोषियों को हिरासत में लिया है। यह वीडियो, जिसमें लाल-नीली बत्ती लगी बोलेरो वाहन बोनट पर केक काटते हुए और हर्ष फायरिंग करते हुए कुछ व्यक्तियों को दिखाया गया था, सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इस घटना के कारण जनसामान्य में भ्रम का माहौल बन गया था।
कटनी जिले के पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्तियों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए गए। जिस पर थाना माधव नगर प्रभारी निरीक्षक अनूप सिंह ठाकुर की टीम ने तुरंत जांच शुरू की। माधवनगर थाना प्रभारी अनूप सिंह ठाकुर ने अपनी पुलिस टीम के साथ इस पूरे मामले में तत्परता से कार्रवाई की। बोलेरो वाहन के चालक व वाहन स्वामी चंद्रशेखर यादव उम्र 24 निवासी

अमीरगंज सहित उसके साथियों मोहित गर्ग, लाला यादव, अमन दहिया,और विक्की श्रीवास निवासी अमीरगंज को हिरासत में ले लिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि वायरल वीडियो में दिखाई गई फायरिंग एक एयर गन से की जा रही थी,जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। हालांकि, मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, पुलिस सभी संदिग्धों से गहन पूछताछ कर रही है और तकनीकी सबूतों का विश्लेषण किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इस तरह की घटनाएं भविष्य में दोबारा न हो और दोषियों के खिलाफ यातायात के नियमों का उल्लंघन करने एवं प्रतिबंधात्मक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कटनी जिले केपुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने आम जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या अवैध गतिविधियों से जुड़े वीडियो न फैलाएं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि ऐसे किसी भी कृत्य में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनता से सहयोग की अपील की है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की सलाह दी है।

कटनी में फर्जी आधारकार्ड घोटाले का पर्दाफाश

माइंड लीडर स्किल इंडिया सेंटर के तीन आरोपी गिरफ्तार

सुनील यादव | सिटी चीफ |
कटनी, कटनी जिले बजरंग कॉलोनी स्थित माइंड लीडर स्किल इंडिया प्रायवेट लिमिटेड सेन्टर का ए के जे थाने की पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि यहां के सेन्टर प्रभारी और अन्य कर्मचारियों ने एक युवती का भर्ती आधारकार्ड बनाकर किसी दुसरी युवती को माइंड लीडर स्किल इंडिया प्रायवेट लिमिटेड का पेपर दिलवा रहे थे। इन पूरे मामले का पर्दाफास करते हुए कटनी पुलिस ने यह भी बताया कि सेन्टर प्रभारी के साथ अन्य दो अन्य आरोपी गिरफ्तार हुए है जिसमें में एक फर्जी आधारकार्ड के अधार पर पेपर दे रही थी। पुलिस ने इनके पास से 4 नग मोबाइल, एक लैपटाप एवं फर्जी आधारकार्ड जब्त कर पुरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है कि और ऐसे कितने और युवा युवती के फर्जी आधारकार्ड बनाकर पेपर दिलवाते थे।
कटनी जिले के पुलिस अधीक्षक अभीजित रंजन ने बताया कि 19 अक्टूबर को फरियादी शिखा सिंह उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम लोहखान थाना बड़वारा ने ए के जे थाने में आकर शिकायत की थी कि माइंड लीडर स्किल इंडिया प्रायवेट लिमिटेड का पेपर रामकुमार निकेतन स्कूल बजरंग कॉलोनी थाना एन. के. जे. कटनी में था, वही उसका आधारकार्ड फर्जी बना उसकी जगह में कोई ऐश्वर्या सूर्यवंशी नमक युवती बैठकर पेपर दे रही है। जिस शिकायत के अधार पर एन के जे थाने की पुलिस ने तुरंत ही अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, और सेन्टर प्रभारी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, रितिक भास्कर, आसित कुशवाहा को अभिरक्षा में लेकर पुछताछ की गई तो उन्होने अपराध करना स्वीकार किया गया एवं आरोपियों के कब्जे से मिले अन्य लोगो के फर्जी आधारकार्ड भी बरामद हुए है। घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन, लैपटाप, फर्जी आधारकार्ड जप्त किया गया है एवं आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है एवं मामले के अन्य पहलुओं की विवेचना जारी है। वही कटनी एस पी अभीजित रंजन ने यह भी बताया कि इस पूरे मामले में कटनी पुलिस इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते इसके मध्यप्रदेश के कार्यालय जो कि इंदौर में है। वहां पर भी जाकर पूछताछ और पूरे मामले की जांच की जाऐगी कि और कितने युवक युवती के इसी तरह फर्जी दस्तावेज तैयार कर पेपर दिलवाए गए है। एस पी अभीजित रंजन ने यह भी बताया कि यह संस्था बेरोजगार युवक युवति को स्किल के लिए पेपर दिलवा उन्हे सरकार से मिलने वाली राशि दिलवाती है। इस लिए यह मामला गंभीर है। इसकी तह तक कटनी पुलिस जाऐगी।

सहारनपुर जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा

समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर समयबद्धता से करें निस्तारण

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |
(उत्तर प्रदेश) सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में तहसील बेहट में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। डीएम मनीष बंसल ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का तत्परता से निदान करना सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों व समस्याओं का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।
सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील की 47, सिंचाई विभाग की 02, विकास भवन की 03, लोक निर्माण विभाग की 04, बीएसए की 01, जल निगम की 05, वन विभाग की 02, डीपीआरओ की 01, कृषि की 01, डीआरडीए की 03, विद्युत की 03, पुलिस की 10, चकबन्दी की 02, अधिशासी अधिकारी छुटमलपुर की 03 एवं जिला पंचायत की 01 कुल 88 शिकायतें

प्राप्त हुई जिनमें से 05 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्याओं का समयबद्धता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने आए हुए लोगों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण की दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि निस्तारण के साथ-साथ लाभार्थी को संतुष्टी भी मिलनी चाहिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण कि पुलिस अधिकारी आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर डीएफओ शुभम सिंह, डीएफओ श्वेता सैन, पीडीडीआरडीए प्रणय कृष्ण, उपजिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह, तहसीलदार प्रकाश सिंह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

21 फरियादी अपनी-अपनी शिकायत अधिकारियों के समक्ष लेकर पहुंचे

मात्र तीन शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | (उत्तर प्रदेश) सहारनपुर, संपूर्ण समाधान दिवस में देवबंद क्षेत्र के 21 फरियादी ने अपनी-अपनी शिकायत अधिकारियों के समक्ष लेकर पहुंचे। जिनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जबकि अन्य शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता के आधार पर करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए गए। देवबंद नगर के खंड विकास कार्यालय सभागार में अपर आयुक्त सुरेंद्र राम की अध्यक्षता में आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, चकबंदी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों की 21 शिकायतें दर्ज हुई। जिनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस दौरान अपर आयुक्त प्रशासन सुरेंद्र राम ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का प्रमुखता के आधार पर निस्तारित किया जाना चाहिए। इस दौरान तहसीलदार पुष्पांकर देव, सीओ रविकांत पाराशर, ईओ डा. धीरेंद्र राय व बीडीओ आजम आदि मौजूद रहे।

मौजे किन्हीराजा काटेपूर्णा अभयारण्य क्षेत्रामध्ये अवैध पद्धतीने उभरण्यात आलेल्या स्टोन क्रेषर बांधकाम व मशीन काढण्याच्या अधिकारी यांच्या संगनमताने संशयास्पद हालचाली सुरु का?

डॉ संजय चव्हाण | सिटी चीफ |

(महाराष्ट्र) वासिम, मौजे किन्हीराजा तालुका मालेगाव जिल्हा वाशिम येथील गट नंबर 159 मध्ये शेत जमीन सिताराम शिंदे, शिंदे अँड सन्स कंपनीचे मालक यांनी संजय चाटी यांच्याकडून विकत घेऊन 18.12 2023 रोजी सदर शेता मध्ये अवैध पद्धतीने गौण खनिज मुरूम ढबर 1500म911.60 म5 पाचपट आणून अवैध पद्धतीने स्टोन क्रेषरची उभारणी केली.

सदर शेत जमिनीमध्ये स्टोन क्रेशर उभारणी होत असल्याचे स्थानिक शेतकऱ्यांच्या लक्षात आल्यानंतर नारायणराव महादराव घुगे व इतर शेतकऱ्यांनी आपल्या वडिलोपार्जित शेतीचे व वन्यजीवांचे

वृक्षाचे,पर्यावरणाचे नुकसान होऊन प्राणी जीव धोक्यात येऊन निसर्गाची मोठ्या प्रमाणात हानी होईल, अशी भीती निर्माण झाल्याने शर्वरी सिताराम शिंदे सिताराम शिंदे याच्या मुलीला जमीन विकल्याशिवाय आपल्याला पर्याय राहणार नाही.

अशी भीती निर्माण झाल्यामुळे स्थानिक शेतकऱ्यांनी दिनांक 8 1.2024 रोजी प्रथम तक्रार अर्ज तहसीलदार मालेगाव यांना दिला,सदर तक्रार अर्जावर तहसील कार्यालयातील बाबू केंद्रे व मंडळ अधिकारी उईके यांनी आर्थिक लाभापोटी की काय सदर तक्रार दडवून शिंदे यांच्याशी संधान साधून तक्रार असताना चुकीचे अहवाल शासनास सादर केल्याने सदर तक्रारदार यांनी माहितीच्या अधिकाराचा योग्य वापर करून तसेच उपवनरक्षक यांच्याही खोट्या अहवालाच्या खोटा मुखोटा फाडून टाकला सदर गाव हे काटेपूर्णा अभयारण्य क्षेत्रात येत असल्याचे भारत सरकारच्या केंद्रिय राजपत्रामध्ये स्पष्ट नमूद असल्याने सदर राजपत्राची प्रत जोडून तक्रारदार यांनी केंद्र व राज्य सरकार यांना तक्रार व स्मरणपत्र देऊन शासनाची दिशाभूल करणारे तहसीलदार,क्लार्क केंद्रे, मंडळ अधिकारी उईके यांच्यावर सेवा शिस्त अधिनियम अंतर्गत बडतर्फिची कारवाई करण्यात यावी अशी तक्रार करून आकारण्यात आलेला 68 लाख 37 हजार रुपये दंड शासन कोषात तात्काळ जमा करावा अशा तक्रारीकरून त्याचा पाठपुरावा करून संबंधित ठेकेदाराने केलेले अवैध बांधकाम पाडून वाहने व मशीन जप्त करणे अपेक्षित होते.

परंतु उपवनरक्षक ,तहसीलदार यांच्याकडून तशी कार्यवाही होत नसल्याने अधिकारी यांच्याकडून खोटे अहवाल शासनास सादर करत असल्याने सदर प्रकरणाची दक्षता समिती व विभागीय आयुक्त यांच्याकडून चौकशी करण्यात यावी, तसेच शासनाच्या रेडी रेकणर प्रमाणे जमीन भाडे तत्त्वावर देण्याचे दर हजारो रुपये पर्यंत असताना गट नंबर 159 मधील 5 एकर शेती ही नाममात्र 100 रुपये प्रति माह शर्वरी सिताराम शिंदे यांनी त्यांचे आप्तेष्ट संदीप रमेश शिंदे यांना उपनिबंधक यांच्याशी संधान साधून प्रतिमाह 100 रुपये प्रमाणे भाडेतत्त्वावर देऊन शासनाचा अंदाजे 5 ते 6 लाख रुपये महसूल बुडवला असून शासनावर आर्थिक दायित्व निर्माण केल्याने संबंधित उपनिबंधक सुद्धा सेवा शिस्त अधिनियम अनुसार बडतर्फीस पात्र ठरत असल्याने त्यांची ही बडतर्फी करून खरेदीखत,भाडे करार ,आकर्षक करार रद्द करण्यात यावा तसेच तक्रार प्राप्त होताच सात दिवसाच्या आत आकारणी करण्यात आलेला दंड शासन कोषामध्ये जमा करण्यात येऊन अवैध बांधकाम पाडण्यात यावे परंतु सदर तक्रारीची चाहूल संबंधित अधिकाऱ्यांना लागताच संबंधित अधिकाऱ्यांनी शिंदे यांना पूर्व सूचना देऊन दिनांक 17.10. 2024 रोजी रात्री स्टोन क्रेशर फिटिंग केलेली चाडी व चाडीपर्यंत पोहोचण्याचा अवजड वाहनाचा रस्ता जमीन दोस्त केल्याची माहिती मिळते तरी अवैध पद्धतीने केलेले बांधकाम पाडून मशीन अवैध वीणा नंबर प्लेट वाहाने जप्त करून आकृशक करार रद्द करून आकारणी केलेला दंड बुडवलेला महसूल वसूल करून दोशी उपवनरक्षक, केंद्रे क्लार्क, मंडळ अधिकारी उईके, तहसीलदार, उपनिबंधक यांच्यावर कारवाई करण्यात आली नाही तर शेतकऱ्यांमध्ये तीव्र असंतोष असून शेतकरी राष्ट्रीय महामार्ग अडवून आंदोलन करण्याचा पवित्र्यात आहेत. अशी माहिती स्थानिक शेतकऱ्यांनी दिली. सदरही न्यूज पत्रकार डॉ संजय भोपतराव चव्हाण अकोला यांनी घेतली दखल न्यूज प्रसारित करून शासनाचा पाठपुरावा करून शेतकऱ्यांना मिळाले न्याय।

मकान में रखे गैस सिलिंडरों में हुआ अचानक विस्फोट

मकान में लगी भीषण आग, एक ग्रामीण झुलसा

गौरव सिंघल | सिटी चीफ

(उत्तर प्रदेश) सहारनपुर, तल्हेड़ी बुजुर्ग में एक मकान में रखे गैस सिलिंडरों में अचानक विस्फोट हो गया। जिससे मकान में भीषण आग लग गई। विस्फोट के बाद घर में जबरदस्त आग लग गई और घर की दीवार और लिंटर भी टूट गया।बताया जा रहा है कि कई गैस सिलिंडर तो दूर खेतों में जाकर गिरे। हादसे में एक ग्रामीण भी झुलस गया। जानकारी के अनुसार देवबंद कोतवाली क्षेत्र के तल्हेडी बुजुर्ग के पनियाली मार्ग पर स्व. नूर हसन का मकान है। इसमें पांच परिवार रहते हैं। नूर हसन के बेटे नदीम, कलीम, नईम, वसीम और मुकर्रम ने घर के बाहर फास्ट फूड और मुर्गे की दुकान खोली हुई है। उनके घर में रखे गैस सिलिंडरों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते इनमें विस्फोट होने लगे। बताया गया है कि परिवार का एक सदस्य गैस सिलिंडर

सप्लाई का काम करता है। जिसके चलते घर के भीतर छोटा हाथी वाहन में 15 से 20 गैस सिलिंडर लदे थे। जिनमें आग लग गई और आठ से दस सिलिंडरों में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि इससे घर की दीवार और लिंटर तक टूट गया और कई

सिलिंडर दूर खेतों में जाकर गिरे। विस्फोट होने से घर में भीषण आग

गई। जिसमें परिवार के सदस्य फंस गए और उनमें चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बाहर सीढ़ी लगाकर लोगों का रेस्क्यू किया। इसमें छोटा हाथी समेत घर के बाहर खड़ी कार जल गई। यहां से गुजर रहा गांव का ही मुकेश पुत्र खिला सिंह आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। सूचना मिलने पर सीओ देवबंद रविकांत पराशर और इंस्पेक्टर संजीव कुमार मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में दमकल की कई गाडियां

मौके पर पहुंच गई। जिन्होंने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की क्या वजह रही। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

करवा चौथ को लेकर महिलाओं ने खरीदे करवे और परिधान

पति की दीर्घायु के लिए आज रखेंगी व्रत

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ

शाजापुर, सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए आज रविवार को करवा चौथ का व्रत रखकर चंद्रमा को जल चढ़ाकर पूजा-अर्चना करेंगी। सुहागिनों के इस खास पर्व के एक दिन पूर्व शनिवार को बाजार में महिलाओं की भारी भीड़ खरीदी के लिए उमड़ पड़ी। करवा चौथ के लिए महिलाओं ने करवों के साथ ही सोलह श्रंगार के सामान की भी जमकर खरीदी की। करवा चौथ के व्रत के लिए महिलाओं ने विशेषकर आकर्षक कुंदन और मोती से जड़े परिधानों की खरीदी की। साथ ही रंग-बिरंगी कांच की चूड़ियां, मेंहदी, काजल, बिंदिया की भी खूब ग्राहकी हुई।

उल्लेखनीय है कि आज करवा चौथ का व्रत है। मान्यतानुसार इस व्रत के करने से पति की आयु दीर्घायु होती है और उस पर आने वाले सभी संकट टल जाते हैं। इसी परंपरा और विश्वास के चलते महिलाएं निर्जला रहकर व्रत करेंगी और रात को छलनी में दीपक रखकर चांद के साथ अपने पति की पूजा करेंगी।

जमकर हुई करवों की खरीदी

गौरतलब है कि करवा चौथ की पूजा में मिट्टी से बने करवों का विशेष महत्व है, जिसके चलते करवों की खरीदी को लेकर शनिवार को बाजार गुलजार रहे। हालांकि बाजार में रौनक तो दशहरे के बाद से ही बनी हुई है, लेकिन करवा चौथ को लेकर महिलाओं की भीड़ दुकानों पर अधिक दिखाई दी। महिलाओं ने रंग-बिरंगी साडियां और लहंगों की खरीदी की। सबसे ज्यादा महिलाओं की भीड़ चूड़ी दुकान और कपड़ों की दुकान पर दिखाई दी। इसीके साथ छलनी और करवे भी महिलाओं के द्वारा जमकर खरीदे गए जिसके चलते सुबह से लेकर शाम तक बाजार में चहल-पहल बनी रही। महूपुरा नदी पर करवों की पारंपरारिक दुकानें लगाई गईं, जहां से शहरी क्षेत्र की महिलाओं के साथ ही ग्रामीण अंचलों की महिलाओं ने भी श्रंगार सामग्री की खरीदी की।

संगठन ही अभिकरण का सुरक्षा कवच संगठित रहना जरूरी

उज्जैन

लियाफी के वार्षिक स्नेह सम्मेलन बोले सुराणा

लाईफ इंश्योरेंस एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (लियाफी) नागदा-खाचरौद का वार्षिक स्नेह-सम्मेलन एवं पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लियाफी इंदौर मंडल के अध्यक्ष विरेन्द्र सुराणा, विशिष्ट अतिथि इन्दौर मंडल के विपणन प्रबंधक निरंजन गोरे, विशेष अतिथि के रूप में सीएलआईए प्रबंधक संजीव श्रीवास्तव एवं लियाफी इंदौर मंडल के सचिव दीपक पंवार, मंडल उपाध्यक्ष शरद चतुर्वेदी, मंडल उपाध्यक्ष व नागदा शाखा प्रभारी राजेश डांगरे, पूर्व मंडल अध्यक्ष डॉ. विजय मजुमदार, नागदा शाखा के प्रबंधक ललित बुंदेला, खाचरौद शाखा के प्रबंधक तेजप्रताप वर्मा व नागदा सहायक शाखा प्रबंधक जयकिशन मीणा उपस्थित रहे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता नागदा-खाचरौद लियाफी के अध्यक्ष श्री ब्रजमोहन गुप्ता ने की । विशेष आमंत्रित अतिथि उज्जैन लियाफी पदाधिकारी सुरेन्द्र शर्मा, सुनील मुले, दरियावसिंह चौहान, जावरा लियाफी पदाधिकारी विपिन चौरडिया, जितेन्द्र रूनवाल, रतलाम लियाफी पदाधिकारी चेतन पड़ियार, शिवमूर्ति दुबे, मोहम्मद इलियास, मनीष टाक कार्यक्रम के साक्षी बने । अतिथियो द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वति की मूर्ति के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर व पुष्पमाला अर्पित कर किया गया । नागदा-खाचरौद लियाफी के पदाधिकारी लियाफी अध्यक्ष ब्रजमोहन गुप्ता, सचिव प्रमोद चौहान, जयप्रकाश साहनी, सुरेश चावडा, विजय मजुमदार, उमेश कुमार पाण्डे, लालसिंह आंजना, संजय व्यास, कैलाश त्रिवेदी, सुरेन्द्र जैन, ईश्वरलाल सेकवाडिया, गणपत वरवनिया, डॉ. कन्हैयालाल गामी, विजय पेडवा, संजय राठौर, गोपाल पडियार, अमित रंजन शाह, दिनेश जादौन, नागेश्वर राठौर, जुझारलाल वर्मा, भरत पांचाल, गोविन्दसिंह देवडा, डॉ. रामओशिला राही एवं महिला मंडल श्रीमती विनीता गुप्ता, शेफाली मजुमदार, वंदना व्यास, मंजू साहनी, सरस्वती पाण्डे, रीता शाह, नीलू जादौन के द्वारा शॉल, दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियो का विशेष सम्मान किया गया । लियाफी नागदा-खाचरौद को अधिकतम रजिस्ट्रेशन एवं आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर लियाफी नागदा-खाचरौद द्वारा दो विशेष सम्मान लियाफी सचिव प्रमोदसिंह चौहान एवं संजय व्यास का अतिथियों के हाथो शाल, दुपट्टा व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया । साथ ही मीडियाकर्मी बलराम धमान, समरथ सेन, सुरेश जाटवा एवं धर्मेन्द्र धमान का सम्मान भी किया गया । कार्यक्रम को दो चरणो में किया गया जिसके प्रथम चरण में वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन हुआ तथा बीमा क्षेत्र में आ रहे बदलाव पर संगोष्ठी हुई । जिसमें मुख्य अतिथि विरेन्द्र सुराणा के द्वारा यह बताया गया कि संगठन ही हमारे अभिकरण का सुरक्षा कवच है । चूँकि अभी विषम परिस्थिति बनी हुई है जिसमें हम सभी को अत्यधिक संगठित होने की आवश्यकता है । विशिष्ट अतिथि निरंजन गोरे ने 1 सितम्बर से जो एलआईसी में परिवर्तन आया है उसकी जानकारी देते हुए बीमा व्यवसाय बढ़ाने को प्रेरित किया। विशेष अतिथि शरद चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में अभिकर्ताओं को एकजूट रहने की सलाह दी एवं अच्छे कार्यक्रम की सराहना की । लियाफी इंदौर मंडल सचिव दीपक पंवार ने कहा कि संगठन सर्वोपरि है हम संगठन से जुड़े रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्रजमोहन गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि लियाफी ने ही हमें अनेको प्रकार की सुविधाएं मुहैया करवाई है । जैसे अभिकर्ताओं का ग्रुप इंश्योरेंस, मेडिक्लेम, ग्रेज्युटी, सीनियर एजेंसी सिस्टम, अभिकर्ताओं के बच्चो की शिक्षा हेतु अग्रिल लोन की सुविधा का लाभ मिल रहा है ।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिले में कहीं भी खाद की कमी ना हो समितियों व डब्ल लांक में पर्याप्त मात्रा में भंडारित है

विदिशा

समितियों का निरीक्षण

कलेक्टर के निर्देश के अनुपालन में राजस्व अधिकारियों के द्वारा प्राथमिक सहकारी समितियों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत आज रविवार को शमशाबाद तहसीलदार डा दर्शन सिंह नेगी ने सागुंल ग्राम पंचायत में संचालित प्राथमिक सहकारी समिति में पहुंचकर औचक निरीक्षण किया है। तहसीलदार श्री नेगी ने बताया कि प्राथमिक सहकारी समिति सागुल की गोदाम का निरीक्षण किया गया निरीक्षण दौरान स्थिति स्पष्ट रेखांकित

हुई की समिति में पर्याप्त मात्रा में खाद का भंडारण है। समिति में यूरिया खाद 440 बोरी 19.800 टन खाद उपलब्ध है एनपीके डीएपी स्टाक में उपलब्ध नहीं है 50 टन की डिमांड भेजी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर अतिक्रमण मुक्त हो रही चरनोई की भूमि

विदिशा

अतिक्रमण हटाने की मुहिम में विदिशा जिले ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

कलेक्टर रोशन कुमार के निर्देशन में जिले की सभी 12 तहसीलों में 241.968 रकबा हेक्टेयर की चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाया

28 करोड़ 17 लाख 35 हजार 942 रुपये बाजार मूल्य की भूमि हुई अतिक्रमण मुक्त, यह अभियान सतत जारी रहेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में गौ-संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में अनेकों नवाचार हो रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं स्वरोजगार की दृष्टि से गौ-संरक्षण एवं संवर्धन प्रदेश सरकार की प्रमुख प्राथमिकता में शामिल है। इसी तारतम्य में प्रदेशभर में चरनौई की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान जारी है। इस अभियान के तहत विदिशा जिला श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशन में जिलेभर में युद्ध गति से कार्रवाई जारी है। जिले में हुई इस संपूर्ण कार्रवाई को निर्विघ्न रूप से अंजाम देने में सभी एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस बल सहित अन्य राजस्व अधिकारियों तथा वन क्षेत्र के अमले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

चरनौई भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने में विदिशा का श्रेष्ठ प्रदर्शन - कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा विदिशा जिले को अतिक्रमण मुक्त बनाए जाने की दिशा में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं जिसके फलस्वरूप विदिशा जिला प्रदेश में अतिक्रमण हटाने के मामले में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों में अग्रणी पंक्ति में शामिल है। विदिशा जिले ने दर्ज प्रकरणों के आधार पर निराकरण में उपलब्धि हासिल की है। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशन में विदिशा जिले की सभी 12 तहसीलों त्यौंदा, शमशाबाद, पठारी, ग्यारसपुर, गुलाबगंज, नटेरन, लटेरी, विदिशा शहरी, विदिशा ग्रामीण, सिरोंज, कुरवाई और बासौदा में शासकीय चरनोई भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इन सभी 12 तहसीलों में चिन्हित किए गए 279 ग्रामों में खसरा संख्या 310 के 345.89 हेक्टेयर रकबा में से खसरा संख्या 247 में 241.968 रकबा हेक्टेयर में अतिक्रमण हटाए जाने की कार्रवाई की गई है। जिसका बाजार मूल्य 28 करोड़ 17 लाख 35 हजार 942 आंकलित किया गया है।

किस तहसील से कितनी भूमि हुई अतिक्रमण मुक्त - चरनोई भूमि से हटाए गए अतिक्रमण की तहसीलवार जानकारी तदानुसार त्यौंदा तहसील के खसरा नं. 2 की 4.747 हेक्टेयर रकबा भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 40 लाख रुपये आंकलित किया गया है। इसी प्रकार शमशाबाद तहसील के खसरा नंबर 6 की 59.858 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 13 करोड़ 47 लाख रुपए है। पठारी तहसील के खसरा संख्या 01 की 2.508 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया जिसका बाजार मूल्य 20 लाख रुपए है। ग्यारसपुर तहसील के खसरा संख्या 20 की 5.981 रकबा हेक्टर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 61 लाख 2000 रुपये है। गुलाबगंज तहसील के खसरा संख्या 86 की 27.899 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य एक करोड़ 70 लाख 56 हजार 205 रुपए है। नटेरन तहसील के खसरा नंबर 34 की 23.957 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 2 करोड़ 3 लाख 50000 है। लटेरी तहसील के खसरा नंबर 3 की 2.186 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 24 लाख 4 हजार 600 है। विदिशा शहरी क्षेत्र के खसरा नंबर 01 की 0.91 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। जिसका बाजार मूल्य 41 लाख 40 हजार 500 है। विदिशा ग्रामीण क्षेत्र के खसरा संख्या 39 की 44.39 रकबा हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 4 करोड़ 73 लाख 19 हजार 737 है। सिरोंज तहसील क्षेत्र के खसरा नंबर 7 की 12.917 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 90 लाख रुपए आंकलित किया गया है तथा कुरवाई तहसील के खसरा संख्या 23 की 43.87 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया जिसका बाजार मूल्य 3 करोड़ 1 लाख 60 हजार 900 है एवं बासौदा तहसील के खसरा नंबर 25 की 12.745 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया है जिसका बाजार मूल्य 45 लाख 2 हजार रुपये आंकलित किया गया है। इस प्रकार जिले में चरनोई भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही में कुल 28 करोड़ 17 लाख 35 हजार 942 रुपये बाजारू मूल्य की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्रवाई संपादित की गई है।

सरकार की प्रमुख प्राथमिकता में गौवंश संरक्षण -मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गौ संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डॉ. यादव के निर्देशानुसार भारतीय परंपरानुसार नव वर्ष-गौवंश रक्षा वर्ष के रूप में मानने का निर्णय किया गया है। गौवंश सम्वर्धन और सुरक्षा कानून लाया गया है। इस कानून के तहत, गौ तस्करी करने वालों को सात साल की जेल हो सकती है और उनसे जुड़े वाहन को राजसात किए जाने का भी प्रावधान है। गौशालाओं को प्रति गाय 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये दिए जा रहे हैं। अधूरी गौशालाओं का निर्माण पूरा किया जा रहा है और नई गौशालाएं भी बनाई जा रही हैं। प्रदेशभर में चरनौई की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है। सड़क दुर्घटना में घायल गायों को इलाज की व्यवस्था की जा रही है। सड़कों पर बैठने वाले पशुओं को बैठने से रोकने और उन्हें स्थानांतरित करने के लिए आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। गायों के लिए चारा काटने के उपकरणों पर अनुदान दिया जा रहा है।

पंचायत के बनराकस की कायल हैं आलिया भट्ट, इस फिल्म में साथ कर चुकी हैं काम

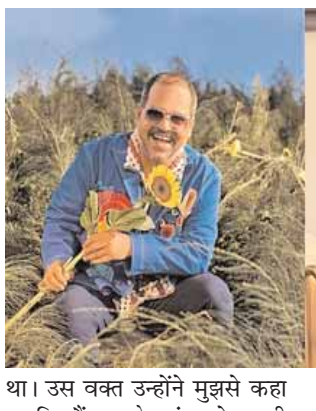

जब भी पंचायत सीरीज की बात होती है तो भूषण यानी बनराकस के किरदार का जिक्र होता ही है। भूषण के किरदार में थिएटर से संबंध रखने वाले मंझे हुए कलाकार दुर्गेश कुमार नजर आए थे, इस किरदार को निभाकर वह घर-घर फेमस हो गए थे। भूषण के किरदार को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। कई एक्टर्स भी भूषण के किरदार में दुर्गेश कुमार की एक्टिंग के कायल हो गए थे। लेकिन आलिया भट्ट जैसी बॉलीवुड एक्ट्रेस तो बहुत पहले से ही दुर्गेश के काम की फैन रही हैं। 21 अक्टूबर 1944 को बिहार के दरभंगा में जन्मे दुर्गेश कुमार ने हाल ही में दिए गए इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने आलिया भट्ट के साथ फिल्म हाइवे में काम किया था। इस दौरान काफी समय आलिया के साथ बिताने का मौका मिला। वह बताते हैं, जब मैं पहली बार फिल्म हाइवे के सेट पर आलिया भट्ट से मिला था तो वह एक चुलबुली किस्म की लड़की थीं। फिल्म में उनके साथ मेरे काफी सींस थे। फिल्म में मैंने एक डांस स्टेप भी किया था, जो की आलिया को बहुत पसंद आया था। उस वक्त उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं आपके डांस स्टेप्स की फैन हो गई हूं। मैंने इस बात को तारीफ के तौर पर लिया था। फिल्म में डांस करते हुए मेरी कोशिश थी कि स्टेप्स की परवाह ना करूं और जैसा मुझे ठीक लगता है, वैसे डांस स्टेप्स करूं। इसलिए फिल्म हाइवे में मेरे डांस स्टेप्स नेचुरल नजर आते हैं। दुर्गेश कुमार फिल्म हाइवे और पंचायत सीरीज के अलावा कई और फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। वह हर फिल्म में अपने किरदार में डूब जाने की कोशिश करते हैं, उसे रियल बनाने के लिए भरपूर मेहनत करते हैं। एक्टिंग को लेकर अपने जुनून के बारे में ही दुर्गेश बताते हैं, फिल्म हाइवे की ही बात करूं तो मैं अपने किरदार को निभाने के लिए लगभग बीस दिन तक नहाया नहीं था। दरअसल, मैं और निर्देशक इम्तियाज अली चाहते थे कि मेरा किरदार फिल्म में बिल्कुल नेचुरल नजर आए।

आगे भी बनना चाहते हैं अच्छी कहानियों का हिस्सा दुर्गेश कुमार ने जिस शिद्दत से फिल्म हाइवे और सीरीज पंचायत में अपने किरदार निभाए हैं, उससे वह भी काफी खुश हैं। इस साल वह लापता लेडीज, भक्षक और डेढ़ बीघा जमीन जैसी फिल्मों में नजर आए थे। आगे भी दुर्गेश अच्छी कहानियों का हिस्सा बनना चाहते हैं, इस बारे में वह कई इंटरव्यू में कह चुके हैं।

मीडिया को दिए साक्षात्कार में सोमी अली ने कबूला- सलमान खान ने मारा था काला हिरण

सलमान खान इन दिनों लॉरेंस बिश्नोई से मिली जान कि धमकियों के कारण सुर्खियों में बने हुए हैं। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद से सलमान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस बीच अब अभिनेत्री सोमी अली ने लॉरेंस बिश्नोई और सलमान को लेकर कई कई खुलासे किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि क्या सलमान खान को काले हिरण को मारने के लिए बिश्नोई समुदाय से माफी मांगनी चाहिए? या क्या उन्हें लॉरेंस बिश्नोई कि मांग के आगे झुकना चाहिए? इस दौरान सलमान खान की पूर्व प्रेमिका सोमी अली ने कई कबूलनामे में भी किए।

सोमी ने कहा, मैं उस समय आउटडोर शूटिंग पर जाती थी, लेकिन यह घटना जब हुई थी, तब मैं आउटडोर शूटिंग पर नहीं गई थी। सलमान को उस समय शिकार करने का शौक था। मैं खांस देती थी तो जानवर भाग जाते थे। क्योंकि मुझे शिकार करना नहीं पसंद था। इस शूटिंग के दौरान सलमान मुझे अपने साथ नहीं ले गए। वह कहते थे कि तुम नकली खांसती हो, जिस वजह से जानवर भाग जाते हैं, उस दिन शिकार करने के बाद सलमान ने मुझे कहा कि उन्हें नहीं पता था कि बिश्नोई समाज काले हिरण की पूजा करता हैं। मैं जीती-जागती इस बात की गवाह हूं कि उन्हें इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था। दरअसल, सोमी अली ने आज तक से बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर बात की। सोमी ने दावा किया कि सलमान को कभी नहीं पता था कि बिश्नोई समुदाय में काले हिरणों की पूजा की जाती है, इसलिए उसके लिए माफी मांगने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा, सलमान को किसी ऐसी चीज के लिए माफी क्यों मांगनी चाहिए, जिसके बारे में उन्हें पता ही नहीं था? यह तो ऐसा है, जैसे अनजाने में कुछ किया गया हो और उसके लिए माफी मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा हो। इसका कोई मतलब नहीं है। यह अहंकार की बात नहीं है। लोग कहते हैं कि सलमान बहुत घमंडी हैं और उनकी एक प्रतिष्ठा है। आज मेरा उनसे या उनके परिवार से कोई लेना-देना नहीं है। मैं बस यह नहीं चाहती कि बॉलीवुड या हॉलीवुड में किसी की हत्या हो। हिंसा कभी भी इसका समाधान नहीं है। सोमी अली ने आगे कहा कि जहां शिकार किया गया, वो जगह 80 एकड़ में फैली हुई है तो क्या सिर्फ सलमान खान ही वहां शिकार करने गए और कोई नहीं जाता? लेकिन सिर्फ सलमान को निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि वे एक स्टार हैं। उस जगह कई लोग शिकार करने आते हैं तो क्या कोई और काले हिरण का शिकार नहीं करता होगा? सलमान को यह पता नहीं था कि बिश्नोई समाज काले हिरण की पूजा करता है।

सोमी अली ने यह भी खुलासा किया कि जब यह घटना हुई, तब सलमान ने उनसे बात भी की थी। उन्होंने कहा कि सलमान को शिकार का शौक है। वे हमेशा शिकार पर जाते थे। उस दिन भी फिल्म की शूटिंग के दौरान वे शिकार पर गए। जब भी सलमान शिकार पर जाते थे तो मुझे भी ले जाते थे, लेकिन मेरे खांसने की वजह से शिकार भाग जाता था, क्योंकि मुझे शिकार करना पसंद नहीं है, इसलिए उस दिन सलमान मुझे शिकार पर नहीं लेकर गए। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें शिकार पर नहीं लेकर जाऊंगा, नहीं तो तुम्हारी वजह से शिकार भाग जाएगा।

सोमी ने अगले खुलासा किया कि बाद में सलमान खान ने उनसे कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि बिश्नोई समाज काले हिरण की पूजा करता है। बिश्नोई समुदाय को यह समझने की जरूरत है कि सलमान को नहीं पता था। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है। यह बेतुका है।

जब आदित्य ने करियर में लगाता असफलताओं का किया सामना, बोले-

दोस्तों और परिवार का साथ मिला...

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता हैं। साल 2009 में लंदन ड्रीम्स से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले आदित्य, शुरू में अभिनेता बनना ही नहीं चाहते थे। अब हाल ही में, अभिनेता ने उन दिनों को याद किया, जब इंडस्ट्री में उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही थीं और इस दौरान उन्हें संघर्ष का सामना करना पड़ा था। कई हिट फिल्में देने के लिए मशहूर बॉलीवुड स्टार आदित्य रॉय कपूर ने हाल ही में अपने करियर के दौरान संघर्ष का सामना करने के बारे में बात की, जब लगातार फ्लॉप फिल्मों की वजह से उन्हें काम नहीं मिला, उन्होंने बताया कि एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम का होना कितना जरूरी था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोस्तों और परिवार का साथ मिलना ही उन चुनौतीपूर्ण समय से बाहर निकलने का राज था। अभिनेता ने बताया कि कैसे उनकी कुछ फिल्में लोगों को पसंद नहीं आईं और उन्हें उस समय मिलने वाले रोल से भी निराशा हुई। उन्होंने कहा, कुछ ऐसे पल भी आए, जब फिल्में नहीं चलीं या जब किसी के पास काम नहीं था। कुछ फिल्में अच्छी नहीं चलीं और मुझे कुछ भी पसंद नहीं आया शायद इसलिए क्योंकि मैं उस समय कमजोर था। जब करीना ने पूछा कि वह असफलताओं से कैसे निपटते हैं, तो आदित्य ने बताया कि फिल्म के आधार पर उनका दृष्टिकोण अलग-अलग होता है। उन्होंने फिल्म बनाने में लगने वाले समय और प्रयास के महत्वपूर्ण निवेश पर प्रकाश डाला। किसी प्रोजेक्ट को लगभग एक साल समर्पित करने के बाद, फ्लॉप का प्रभाव गहरा हो सकता है। काम की कमी के इस कठिन दौर ने एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा, यह एक कठिन दौर था जब मुझे कुछ भी पसंद नहीं आ रहा था और कुछ समय के लिए काम भी नहीं कर रहा था। आदित्य ने स्वीकार किया कि दोस्तों और परिवार के प्रोत्साहन ने उन्हें उन कठिन पलों से निपटने में मदद की।

अर्थ की शूटिंग के दौरान परेशानियों से गुजर रहे थे महेश भट्ट, शबाना आजमी ने खोले अनसुने राज

महेश भट्ट की फिल्म अर्थ में शबाना आजमी और कुलभूषण खरबंदा को साथ देखा गया था। इस फिल्म की कहानी बहुत ही खास रही थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान किस्सों को याद करते हुए शबाना आजमी ने कुछ अनसुने राज साझा किए हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म बनाने के दौरान महेश भट्ट बहुत सी परेशानियों से गुजर रहे थे। साझा कि फिल्म अर्थ की शूटिंग की याद शबाना आजमी को मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2024 में सिनेमा की दुनिया में 50 साल पूरे करने पर खास सम्मान दिया गया। इस सम्मान के बाद शबाना आजमी की एक मास्टर क्लास भी आयोजित की गई। इस दौरान शबाना आजमी ने फिल्म अर्थ से जुड़ी कुछ यादें साझा की। उन्होंने बताया कि महेश भट्ट उस फिल्म के दौरान निजी परेशानियों से गुजर रहे थे। हमारे पास कोई स्क्रिप्ट नहीं थी। शूटिंग के साथ ही वो अपने स्टोरी आइडिया पर काम कर रहे थे। हम अपने ही कपड़े पहनकर शूटिंग कर लेते थे। महेश भट्ट ने दी थी ये सलाह शबाना ने कहा लेकिन महेश भट्ट में कुछ तो खास है, जो उन्होंने फिल्म को पूरा कर लिया। ऐसा लगता था कि महेश भट्ट एक बटन दबाते हैं और सभी एक्टिंग करना शुरू कर देते हैं। महेश भट्ट ने फिल्म के दौरान उनसे कहा था, हमारे पास यादा रिसोर्स लाने अनुमति नहीं है, हमारे पास टाइम भी नहीं है, आप इससे अछा अभिनय कर सकती हैं। फिल्म मिलने पर उत्साहित थी शबाना आजमी ने बताया कि उन्हें इस फिल्म को देखने में खास रुचि थी। उन्होंने बताया कि कैसे इस फिल्म ने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने इसे फिर से बड़े पर्दे पर देखने को लेकर अपनी उत्सुकता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि जब महेश भट्ट ने मुझे फिल्म ऑफर की तो मुझे लगा कि ये फिल्म मेरी जिंदगी बदल देगी।

दिव्या खोसला से इक्कीस साबित हुई आलिया, एक ही कहानी पर एक ही घर में दो फिल्में बनाने का कारनामा

आलिया भट्ट की गिनती कभी हिंदी सिनेमा की नंबर वन हीरोइन के रूप में भी हो चुकी है। लेकिन, उनका अभिनय अब एकसार दिखने लगा है। फिल्म 'गली बॉय' से गिनना शुरू करें तो उसके बाद सिनेमाघरों तक पहुंची फिल्मों में 'कलंक', 'सड़क 2', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'आरआरआर', 'ब्रह्मास्त्र पार्ट वन' और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का दर्शकों पर असर मिला जुला ही रहा है। उनका ब्रांड मजबूत करने को करण जौहर दिन-रात मेहनत करते हैं। आलिया के पिता महेश भट्ट उन्हें लगातार सलाह देते हैं। 'जिगरा' पूरी हुई तो उन्होंने ही सबसे पहले देखी। फिल्म का मूल आधार वही है जिस पर आलिया के चाचा मुकेश भट्ट ने पहले ही दिव्या खोसला कुमार को लेकर फिल्म 'सावि' बना ली है। अब ये भी समझा जा सकता है कि करण जौहर और वासन बाला के बीच फिल्म 'जिगरा' की स्क्रिप्ट को लेकर जो खेल खेला गया, वह सब कहानी के असली आधार की तरफ से ध्यान हटाने का एक बहाना था। फिल्म देखकर समझ आता है कि ये कहानी आलिया भट्ट की तरफ से ही वासन बाला के पास आ सकती है। फिल्म 'जिगरा' की बात करने से पहले इसके निर्देशक वासन बाला की बात भी जरूरी है। नेटफ्लिक्स के पैसों से बनी उनकी फिल्म 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' ने एक कमाल के निर्देशक का परिचय हिंदी सिनेमा के दर्शकों से करवाया। उस फिल्म को लिखा था निर्देशक श्रीराम राघवन के साथ लंबे समय से जुड़े रहे योगेश चांदेकर ने। वासन बाला ने बतौर लेखक 'पेडलर्स', 'बॉम्बे वेलवेट', 'रमन राघव 2.0', 'रुख' और 'मर्द को दर्द नहीं होता' लिखीं। पहली और आखिरी के निर्देशक वह खुद ही हैं। बैंक की नौकरी छोड़ वह अनुराग कश्यप के शागिर्द बने। उन्हीं से सिनेमा सीखा। कलाकार की कमर में कैमरा बांधकर उसके हाफा दैया करते चेहरे के शॉट लेना भी वहीं से आया है। और, उत्तेजना के क्षणों में आलिया भट्ट की सांसें फूलते दिखाना भी वासन बाला ने उसी अनुराग कश्यप स्कूल से सीखा है। वासन बाला इस फिल्म से उसी राह पर चल निकले हैं, जिस राह पर फिल्म 'बॉम्बे वेलवेट' से अनुराग कश्यप ने कदम बढ़ाया था। सुपर सितारों की चकाचौंध में अपना आभामंडल भूले एक निर्देशक की फिल्म बन गई है 'जिगरा।'फिल्म 'जिगरा' की कहानी में देव आनंद और जीनत अमान की फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' के लिए आनंद बक्षी का लिखा गाना 'फूलों का तारों का सबका कहना है' च्यवनप्राश बनकर आता है। फ्रेंच फिल्म 'पोअर एले' और इसकी हॉलीवुड रीमेक 'द नेक्स्ट थ्री डेज' की कहानी एक पति की अपनी पत्नी को जेल से छुड़ाने की कोशिश है। फिल्म 'सावि' में इसका रिवर्स है और फिल्म 'जिगरा' में इसे बदलकर जेल में बंद भाई को छुड़ाने की कोशिश करती बहन तक आ गई है। गलती इसमें वासन बाला की कम और आलिया भट्ट की ज्यादा है कि पहले से ही जिस कहानी पर उनके ही घर में एक फिल्म बन रही है, उसी कहानी में भाई-बहन के भावुक रिश्तों का तड़का लगाकर उन्हें बतौर निर्माता इस फिल्म का एलान नहीं करना चाहिए था। आलिया यहां कोशिश तो करती हैं 'एनिमल' का रणविजय सिंह बनने की, वह अपनी बहन को स्कूल में बचाता है। यहां बहन अपने भाई को स्कूली दबंगों से बचाने की बात करती है। ये प्रसंग दिखा भी दिया जाता तो शायद आलिया का किरदार मजबूती से उभरता। फिर आलिया को 'जंजीर' का अमिताभ बच्चन बनाने की कोशिश भी है, लेकिन उस फिल्म के दो दो गाने 'चक्कू छूरियां तेज करा लो' और 'यारी है ईमान मेरा यार मेरी जिंदगी' के इस्तेमाल बाद भी मामला जमता नहीं है।

फिल्म 'जिगरा' शुरू से ही एक कमजोर पटकथा के साथ आगे बढ़ती है। कहानी की नायिका को एक अमीर घराने के लड़के का भविष्य बचाने के लिए एक गरीब लड़की को विदेश भगाते दिखाया जाता है। लिखने वालों को इसमें उसकी मुसीबतों को टालने या उन्हें हल करने का गुण भले नजर आता हो लेकिन ये एक नायिका का काम नहीं हो सकता। नायिका का काम होता एक रईसजादे से मोहब्बत करके गर्भवती हुई गरीब लडकी का साथ देना। खैर, कहानी फिर गोता तब लगाती है जब इसी नायिका के ताऊ अपने बेटे को बचाने के लिए अपने भतीजे की बलि चढ़ाने की कोशिश करते हैं और उसके बाद पूरी फिल्म से वह पूरा परिवार गायब रहता है। कहानी की नायिका सत्यभामा 'एनिमल' के रणविजय की तरह अपनी सहूलियत के हिसाब से विदेश में जाकर खून खराबा करती रहती है और मलयेशिया की पुलिस बस आखिरी सीन में उसे बचाने पहुंचती है।

दांव पर बिग बी व रजनीकांत की साख, 'जय भीम' वाले ज्ञानवेल का 'पैन इंडिया प्रोजेक्ट'

होना तो यही चाहिए था कि अमिताभ बच्चन और रजनीकांत को एक साथ परदे पर देखने के लिए सिनेमाघरों के बाहर दर्शकों की कतार लग जाती, लेकिन ऐसा तो तब भी नहीं हो पाया था जब ये दोनों सितारे एक साथ 33 साल पहले फिल्म 'हम' में एक साथ आए थे। मुकुल एस आनंद की इस कोशिश के बाद अब अपनी पिछली फिल्म 'जय भीम' से चर्चा में आए निर्देशक टी जे ज्ञानवेल ने ऐसा कर दिखाया है। अमिताभ बच्चन की एक दर्जन से ज्यादा हिंदी फिल्मों के तमिल रीमेक में काम कर चुके रजनीकांत और फिल्म 'वेट्टैयन' के निर्माता अलीरजा सुभाषकर का याराना बहुत पुराना है। सुभाषकरन की तिजोरियां रजनीकांत के लिए शुरू से खुली रही हैं, इस बार इससे निकली 'लक्ष्मी' हिंदी और तमिल के सुपरसितारों के अलावा मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार फहद फासिल और तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार राणा दग्गूबाजी पर भी बरसी है। चार भाषाओं के चार सुपरस्टार लाना ही इस फिल्म का मकसद रहा होगा क्योंकि जिन्होंने 'जय भीम' देखी है, उन्हें टी जे ज्ञानवेल की ये फिल्म देखकर ज्यादा खुशी होती नहीं दिखती। अमिताभ बच्चन के जन्मदिन की पूर्वसंध्या पर रिलीज हुई फिल्म 'वेट्टैयन' एक तरह से तमिल सिनेमा में उनका डेब्यू है। फिल्म के लीड हीरो रजनीकांत हैं और अमिताभ बच्चन फिर एक बार विशेष भूमिका में हैं। 'अंधा कानून' याद है ना आपको? कानून से न्याय न मिल पाने पर कानून को हाथ में लेने की कहानी में अक्सर पुलिस और अपराधी चूहे और बिल्ली का खेल खेलते नजर आते हैं। लेकिन, यहां हीरो ही शिकारी है। वह खम ठोंककर कहता है कि निशाना लगे और खाली चला जाए, हो ही नहीं सकता। फिल्म का नाम 'वेट्टैयन' है जिसका मतलब है शिकारी। हिंदीभाषी दर्शक ये मतलब ठीक से समझ पाएं इसलिए हिंदी संस्करण का नाम ही 'वैट्टैयन-द हंटर' रख दिया गया है। शिकारी यहां पुलिस अफसर अथियन है जो अपराधियों को 'त्वरित न्याय' के जरिये निपटाने में यकीन रखता है। उसका अपना खुफिया नेटवर्क है। लेकिन, जस्टिस सत्यदेव ब्रह्मदत्त पांडे की नजर उस पर टेढ़ी हो चुकी है। अथियन को भी बीच कहानी अपनी गलतियों का एहसास होता है और वह प्रायश्चित भी करना चाहता है और यहां से ऊंट दूसरी करवट बैठने की शुरूआत करता है।अमिताभ बच्चन और रजनीकांत को उनके यौवन से लेकर प्रौढावस्था तक दर्शकों ने खूब देखा। दोनों पर दिल खोलकर मोहब्बत लुटाई। अब भी उनका रुआब दर्शकों में बना हुआ है। रजनीकांत की पिछली फिल्म 'जेलर' में ये सब देख चुके हैं। अमिताभ बच्चन की पिछली 'कल्कि 2898 एडी' भी ब्लॉकबस्टर रही। उनका करिश्मा इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार प्रभास पर भी भारी पड़ा। दोनों अपनी अपनी उम्र के हिसाब से किरदार करते हैं तो कमाल करते हैं। फिल्म 'वेट्टैयन' की मूल कमजोरी इन्हीं दोनों के किरदारों में हैं। टी जे ज्ञानवेल समाज में जो हो रहा है, उसी को अपना सिनेमा बनाते हैं। एनकाउंटर में बदमाशों के मारे जाने का मामला नया नहीं है लेकिन इन दिनों सुर्खियों में फिर से है। लेकिन, ज्ञानवेल ने जो फिल्म बनाई है, वह उनकी इसी सोच से मात खा जाती है कि वह एक अखिल भारतीय फिल्म बनाने के लिए चार भाषाओं के चार सुपरसितारे ले आए हैं। ये सही है कि फहद फासिल का एक चतुर सयाने के रूप में परदे पर दिखना और पुलिस अफसर अथियन की कदम कदम पर मदद करने से दोनों का आभामंडल एक दूसरे का करिश्मा बढ़ाने में मदद करता है, लेकिन अमिताभ बच्चन यहां उनके साथ नहीं हैं। यहां वह रेखा के दूसरी तरफ हैं। राणा दग्गूबाती का बड़े परदे पर अपना प्रभाव सीमित है और 'बाहुबली' सीरीज की फिल्मों की जबर्दस्त लोकप्रियता के बावजूद उनका पूरे देश में फैनबेस अभी बन नहीं पाया है। फिल्म 'वैट्टैयन' में ऋतिका सिंह और मंजू वारियर का काम उनसे बेहतर बन पड़ा है। खासतौर से घर में घुसे लफंगों का मुकाबला करने वाले सीन में मंजू वारियर ने खूब तालियां बटोरी हैं। 'वैट्टैयन' एक ब्लॉकबस्टर फिल्म हो सकती थी, अगर इसे रचने में भौगोलिक स्थितियां भी इन कलाकारों की लोकप्रियता के हिसाब से गढ़ी जातीं। कहानी का वातावरण रचने में यहां टी जे ज्ञानवेल ने मात खाई है।

फिल्म 'वेट्टैयन' के चार कोने अगर इन चार दिग्गज सितारों ने संभाले हैं तो इनका केंद्र बिंदु बनने में दुशारा विजयन ने भी कम मेहनत नहीं की है। स्कूल टीचर का उनका ये किरदार ही कहानी को गति देने वाले उत्प्रेरक का काम करता है। पूरी फिल्म चूंकि एक प्रोजेक्ट की तरह बनी है लिहाजा इसमें टी जे ज्ञानवेल का 'जय भीम' वाला सामाजिक सहधर्मिता वाला फिल्मकार नजर नहीं आता। यहां वह सितारों की चकाचौंध में अपना खुद का आभामंडल खो देने वाले निर्देशक के रूप में हैं। करीब पौने तीन घंटे की ये फिल्म बताते हैं कि 300 करोड़ रुपये में बनी है, उस लिहाज से इसकी ओपनिंग बहुत अच्छी नहीं रही है। फिल्म के हिंदी संस्करण का हाल और खराब दिख रहा है। अनिरुद्ध रविचंदर एक बार फिर उत्तर भारतीय दर्शकों को अपने संगीत के साथ जोड़ने में नाकाम रहे हैं। एस आर काथिर की सिनेमैटोग्राफी भी बस सितारों की सज-धज के लिए सधी रहती है।

पाकिस्तान सीनेट ने रात भर बहस के बाद विवादास्पद संविधान संशोधन विधेयक किया पारित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की 'नेशनल असेंबली ने रविवार रात भर चली बहस के बाद सोमवार को विवादास्पद 26वें संविधान संशोधन विधेयक को पारित कर दिया। विधेयक में मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल तीन वर्ष तक सीमित करने का प्रावधान है। पाकिस्तान की मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। 'नेशनल असेंबली ने संशोधन विधेयक को सुबह पांच बजे पारित कर दिया। विधेयक को लेकर विपक्षी दलों का आरोप है कि इसका उद्देश्य स्वतंत्र न्यायपालिका की शक्तियों को कम करना है। 336 सदस्यीय सदन में 225 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सुन्नी-इत्तेहाद काउंसिल ने संशोधन विधेयक का विरोध किया, लेकिन PTI के समर्थन से सीट जीतने वाले छह निर्दलीय सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया। सरकार को विधेयक पारित करने के लिए 224 मतों की आवश्यकता थी। संशोधन को मंजूरी देने के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक होता है और सीनेट में रविवार को संशोधन को मंजूरी देने के लिए चार के मुकाबले 65 वोट पड़े। सत्तारूढ़ गठबंधन को संसद के ऊपरी सदन में 64 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता थी। संसद के दोनों सदनों में विधेयक के पारित होने के बाद इसे अब पाकिस्तान के संविधान के अनुछेद-75 के तहत राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा और उनके हस्ताक्षर के बाद यह कानून लागू हो जाएगा। इस विधेयक में सर्वोच न्यायालय के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से एक को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए एक विशेष आयोग का गठन करने समेत कई संवैधानिक संशोधन शामिल हैं। सीनेट के इस सत्र में विधेयक पेश करते हुए कानून मंत्री आजम नजीर

तरार ने कहा कि 'नए चेहरे वाले आयोग में मुख्य न्यायाधीश, उचतम न्यायालय के चार वरिष्ठतम न्यायाधीश, दो सीनेटर और नेशनल असेंबली के दो सदस्य शामिल होंगे।
सीनेट और नेशनल असेंबली के दो-दो सदस्यों में से एक-एक विपक्षी दल से होगा। इस संशोधन से अब वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के सेवानिवृत्त होने के बाद उचतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश के मुख्य न्यायाधीश के पद पर स्वत: पदोन्नति पर रोक लग गई है। 'स्पीकर अयाज सादिक ने 'नेशनल असेंबली में कार्यवाही की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, कैबिनेट बैठक से पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन पर विस्तृत चर्चा के लिए राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात कर उन्हें जानकारी दी और उनसे परामर्श किया। विधेयक पारित होने के बाद शहबाज ने संसद में कहा, ''आज संविधान का यह 26वां संशोधन सिर्फ एक संशोधन नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय एकजुटता और आम सहमति का एक उदाहरण है। एक नया सूरज उगेगा, जो पूरे देश में चमकेगा। हालांकि, विपक्ष ने आरोप लगाया कि पूरी कवायद का उद्देश्य न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह की नियुक्ति को रोकना है, ताकि 25 अक्टूबर को वर्तमान मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा की सेवानिवृत्ति पर वे मुख्य न्यायाधीश नहीं बन सकें। PTI नेता हम्माद अजहर ने संशोधन को न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर घातक प्रहार करार दिया और बताया कि उचतम न्यायालय और उच न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार सरकार को देने से न्यायपालिका का राजनीतिकरण होगा। पीटीआई नेता अली जफर ने कहा कि उनकी पार्टी के सांसदों को इसके पक्ष में मतदान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के सांसद गैरमौजूद थे क्योंकि उन्हें डर था कि सरकार के पक्ष में वोट देने के लिए जबरन उनपर दबाव बनाया जाएगा। उन्होंने सीनेट के अध्यक्ष से पीटीआई के किसी भी सांसद के वोट की गिनती इसमें शामिल नहीं करने का आग्रह किया। इस विधेयक को पारित कराने में व्यापक प्रयास करने वाले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो-जरदारी ने कहा कि सरकार इस संशोधन की दिशा में आगे बढ़ेगी, चाहे पीटीआई इसके पक्ष में मतदान करे या नहीं। बिलावल ने मीडियाकर्मियों से कहा, ''हमने जितना हो सका उतना इंतजार किया और आज किसी भी हालात में यह काम पूरा हो

इजरायल को बड़ा झटका...

उत्तरी गाजा में टैंक से निकलते ही सेना ब्रिगेड कमांडर दक्सा की मौत

इण्टरनेश्नल डेस्क। उत्तरी गाजा के जबालिया में अभियान चला रही इजरायली सेना को बड़ा झटका लगा है। रविवार को एक विस्फोट में सेना के एक ब्रिगेड कमांडर की उस समय मौत हो गई जब वह टैंक से उतरकर क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे । चार महीने पहले ही वह ब्रिगेड कमांडर बने थे। उत्तरी गाजा में हमास के खिलाफ अभियान के दौरान रविवार 20 अक्टूबर को विस्फोट में ब्रिगेड कमांडर की जान चली गई । इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 401वीं ब्रिगेड के कमांडर कर्नल अहसान दक्सा जबालिया क्षेत्र में मारे गए हैं।

दक्सा अपने टैंक से निकलने के बाद वह एक विस्फोटक की चपेट में आ गए। वह साल भर से चल रहे गाजा युद्ध में मारे गए इजरायली सेना के सबसे वरिष्ठ कमांडरों में से एक थे।कर्नल दक्सा को 2006 में लेबनान के हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध में घायल सैनिकों को बचाने के लिए सम्मानित किया गया था।
इजरायली सेना एक बार फिर हिजबुल्लाह के खिलाफ जंग में है। इजरायल के राष्ट्रपति ने दक्सा को एक नायक बताया। दक्सा की मौत के साथ ही 27 अक्टूबर 2023 को गाजा में जमीनी हमला शुरू करने के बाद से इजरायल के मारे गए सैन्यकर्मियों की संख्या 358 हो गई है।
41 साल के दक्सा इजरायल के द्रूज समुदाय के सदस्य थे और उन्हें चार महीने पहले ब्रिगेड कमांडर नियुक्त किया गया था। उनकी ब्रिगेड जबालिया में एक अभियान का नेतृत्व कर रही थी। हगारी ने कहा कि घटना में एक अन्य बटालियन कमांडर और दो अधिकारी घायल हुए हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री ने बयान जारी कर कहा कि दक्सा हमास आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए। उन्होंने कहा, वे क्षेत्र का निरीक्षण करने बाहर निकले और विस्फोटक से घायल हो गए। इजरायली सेना ने 6 अक्टूबर को जबालिया और उत्तरी गाजा के अन्य हिस्सों में जमीनी और हवाई हमला शुरू किया था। सेना का कहना है कि उसका उसका उद्येश्य हमास के आतंकवादियों को फिर से संगठित होने से रोकना है। हमास द्वारा संचालित क्षेत्र की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि दो सप्ताह से जारी हमले में 400 से अधिक लोग मारे गए हैं।

कनाडा के पूर्व राजदूत का दावा

निजर की हत्या, पन्नू को मारने का प्रयास 'एक ही साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली: भारत में कनाडा के उचायुक्त रहे कैमरन मैके ने दावा किया है कि सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निजर की हत्या और गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या का असफल प्रयास 'एक ही साजिश का हिस्सा थे। मैके अगस्त में भारत से चले गए थे। सीबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में मैके ने कहा कि कनाडा और अमेरिका दोनों ही मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सोचना भारत सरकार की भूल है कि वह कनाडा और अमेरिका में अपराध कर सकती है और बच निकल सकती है। पिछले साल कनाडा की धरती पर निजर की हत्या में भारत सरकार के शामिल रहने के ओटावा के नये आरोपों के बाद, नई दिल्ली ने कनाडा के उचायोग प्रभारी स्टीवर्ट व्हीलर और पांच अन्य राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। कनाडाई राजनयिक शुक्रवार शाम दिल्ली से चले गए।
भारत ने अपने उचायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को भी कनाडा से वापस बुला लिया है और वे भी भारत लौट रहे हैं। कनाडा सरकार ने कहा था कि भारतीय राजनयिकों को देश से निकाल दिया गया है। भारत ने निजर की हत्या से संबंधित मामले में ओटावा द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। निजर को भारत में आतंकवादी घोषित कर

दिया गया था। कनाडाई प्रसारणकर्ता को दिये साक्षात्कार में मैके ने आरोप लगाया कि निजर की हत्या और अमेरिका में पन्नू की हत्या का असफल प्रयास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। मैके ने दावा किया, ''कल ही अमेरिका में आरोपपत्र और आरोप, तथा उससे पहले 29 नवंबर 2023 को जारी किया गया आरोपपत्र, पूरे उत्तर अमेरिका, कनाडा और अमेरिका में कई व्यक्तियों की हत्या करने के लिए दिल्ली से शुरू हुई एक ही साजिश का विस्तृत चित्रण करता है। उन्होंने कहा, ''यदि आप उन दो आरोपपत्रों को, जारी किए गए साक्ष्यों और सोमवार को रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस द्वारा की गई टिप्पणियों के साथ जोड़ देते हैं तो आपके सामने इस बारे में असल में एक बहुत ही स्पष्ट तस्वीर आ जाएगी कि पिछले एक साल से क्या कुछ हो रहा है।
अमेरिका ने पिछले साल अमेरिकी धरती पर पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश में भारत के पूर्व सरकारी अधिकारी विकास यादव की संलिप्तता का आरोप लगाया है। भारत ने आरोपों की जांच के लिए एक उच तकनीकी समिति गठित की है। न्यूयॉर्क में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने यादव पर भाड़े के अपराधियों की मदद से पन्नू की हत्या को अंजाम देने का प्रयास करने और धन शोधन की साजिश के आरोप दर्ज किये हैं। पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निजर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभवत: संलिप्तता थी। उनके आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में अत्यधिक तनाव में आ गया। वहीं, नयी दिल्ली ने ट्रूडो के आरोपों को ''बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया।

बांग्लादेश में सर्वोच्च न्यायिक परिषद बहालसुप्रीम कोर्ट ने कहा- संसद को नहीं न्यायाधीशों को हटाने का अधिकार

ढाका। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने सर्वोच्च न्यायिक परिषद को न्यायिक कदाचार के आरोपों की जांच करने के अधिकार के साथ रविवार को बहाल कर दिया। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही अपने उस पिछले फैसले को भी बरकरार रखा, जिसमें 16वें संविधान संशोधन को अवैध घोषित किया गया था, जिसके तहत न्यायाधीशों को हटाने का अधिकार संसद को हस्तांतरित किया गया था। उच्चतम न्यायालय के वकील रूहुल कुद्दुस ने उच्चतम न्यायालय द्वारा फैसला सुनाए जाने के बाद संवाददाताओं को बताया, ''यह आदेश प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय की अपीलीय प्रभाग की छह सदस्यीय पीठ द्वारा पारित किया गया।
सुनवाई में मौजूद कुद्दुस ने कहा कि इस फैसले ने मूल संवैधानिक प्रावधानों को मजबूत किया है। इस फैसले का मतलब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासनकाल के दौरान पारित 16वें संवैधानिक संशोधन को रद्द करना भी है, जिसके तहत न्यायाधीशों पर महाभियोग चलाने का कार्य उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों वाली सर्वोच्च न्यायिक परिषद के बजाय संसद को सौंप दिया गया था। सोलहवां संशोधन जनवरी 2014 में पारित किया गया, जिसने सर्वोच्च न्यायिक परिषद को न्यायाधीशों को अक्षमता या कदाचार के लिए हटाने के उसके अधिकार से वंचित कर दिया। हालांकि मई 2016 में उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने 16वें संशोधन को असंवैधानिक घोषित कर दिया, जिसे सरकार ने जनवरी 2017 में चुनौती दी।
तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व वाली सात न्यायाधीशों की अपीलीय खंडपीठ ने जुलाई 2017 में उच्च न्यायालय के उस फ़ैसले को बरकरार रखा, जिसमें 16वें संविधान संशोधन को ''अवैध घोषित किया गया था। फैसले के बाद, तत्कालीन हसीना सरकार ने शीर्ष अदालत से फैसले की समीक्षा करने के लिए एक याचिका दायर की, जिसका निस्तारण शीर्ष अदालत के रविवार के फैसले के साथ हुआ।
इस मामले पर 2017 के उच्चतम न्यायालय के फैसले ने सिन्हा का तत्कालीन सरकार के साथ परोक्ष तौर पर टकराव हो गया, जिसके कारण उन्हें विदेश में रहते हुए अपने पद से जबरन इस्तीफ़ा देना पड़ा और तब से वे बांग्लादेश से बाहर ही हैं। छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन की वजह से हसीना के लगभग 15 साल के शासन का अंत हो गया और उन्हें पांच अगस्त को देश छोड़ना पड़ा। चार दिन बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार की भूमिका संभाली। सत्ता संभालने के बाद से, नये प्रशासन ने हसीना की तत्कालीन सरकार के कई मंत्रियों और नेताओं को गिरफ़्तार किया है।

उत्तरी गाजा में मकानों पर इजराइली हमलों में मारे गए 87 लोग

इण्टरनेश्नल डेस्क। इजराइल PM बेंजामिन नेतन्याहू के घर से एक था। तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिका वर्गीकृत दस्तावेजों को अनधिकृत रूप से जारी करने की जांच कर रहा है।
एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ये दस्तावेज वैध प्रतीत होते हैं। ईरान लेबनान में हमास और हिजबुल्ला आतंकवादी समूह का समर्थन करता है, जहां एक साल से बढ़ते तनाव ने पिछले महीने एक पूर्ण युद्ध का रूप ले लिया। बेत लहिया में हमलों पर इजराइली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई।
इसने हालांकि कहा कि वह ''गाजा में हवाई हमलों और जमीनी अभियानों दोनों को जारी रखे हुए है। चिकित्सक रहीम खेदर के अनुसार मृतकों में दो दंपती और उनके चार बच्चे, तथा एक महिला, उसका बेटा और उसकी पुत्रवधू और उनके चार बच्चे शामिल हैं।

अमेरिकी एसो के निदेशक ने कहा- ट्रूडो की हरकतों ने दुनिया भर में सिखों को मुसीबत में डाला

इण्टरनेश्नल डेस्क। उत्तरी अमेरिकी पंजाबी एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक सतनाम सिंह चहल का कहना है कि भारत और कनाडा के बीच चल रही कूटनीतिक दरार उत्तरी अमेरिका और उसके बाहर सिख समुदाय के भीतर बढ़ती चिंता का कारण बन रही है। सिख प्रवासी समुदाय में एक प्रमुख आवाज़ चहल ने चेतावनी दी है कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के न केवल कनाडा में बल्कि दुनिया भर में सिखों के लिए दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। चहल ने एक साक्षात्कार में कहा, भारत और कनाडा के बीच बढ़ते संघर्ष को रचनात्मक बातचीत के माध्यम से सुलझाने की आवश्यकता है ताकि दुनिया भर में सिख समुदाय के अधिकारों और कल्याण की रक्षा की जा सके।
भारतीय प्रवासियों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध संगठन NAPA के नेता के रूप में, चहल विशेष रूप से कनाडा के सर्रे में खालिस्तान कार्यकर्ता हरदीप सिंह निजर की हत्या के बाद भड़के तनाव से परेशान हैं। निजर की हत्या और उसके बाद के कूटनीतिक नतीजों ने सिखों के सामने पहचान, सुरक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के बारे में पश्चिमी देशों में रहने वालेआने वाली जटिल चुनौतियों को उजागर किया है। 1997 से संयुक्त राय अमेरिका में रह रहे चहल ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि यह स्थिति सिख प्रवासियों को कैसे प्रभावित कर रही है। उन्होंने बताया, विश्व स्तर पर, सिखों की अपने समुदायों के लिए परोपकार और सेवा के लिए लंबे समय से प्रतिष्ठा है, लेकिन शत्रुता के मौजूदा माहौल ने हमारे अपने गुरुद्वारों के भीतर भी विभाजन पैदा कर दिया है। हालांकि सिख धर्म सेवा - निस्वार्थ सेवा - के सिद्धांत पर आधारित है और सिख ऐतिहासिक रूप से समाज में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं। चहल ने कहा कि हाल के राजनीतिक तनावों के कारण उत्तरी अमेरिका में समुदाय की छवि बदल रही है। चहल खास तौर पर युवा सिख अमेरिकियों और कनाडाई लोगों द्वारा भेदभाव और नस्लवाद की बढ़ती घटनाओं के बारे में चिंतित हैं, खासकर वे जो पगड़ी पहनते हैं और दाढ़ी रखते हैं। उन्होंने कहा, अमेरिकी सिख समुदाय तनाव महसूस कर रहा है, स्कूलों, विश्वविद्यालयों और कार्यस्थलों पर नस्लवाद की रिपोर्टें आ रही हैं। समुदाय की राजनीतिक संबद्धता के बारे में गलतफहमियां कलंक और सामाजिक अलगाव का कारण बन रही हैं।
उत्तरी अमेरिका में, कई सिख परिवार अपने राजनीतिक रुख के बारे में बढ़ती गलतफहमियों के बीच गैर-सिख पड़ोसियों और दोस्तों के साथ नाजुक रिश्तों को संभाल रहे हैं। चहल ने कहा, समुदाय के भीतर खालिस्तान चरमपंथियों का पक्ष लेने का काफी दबाव है। जबकि कुछ मुट्ठी भर लोग निजर के मुद्दे के साथ एकजुटता का आह्वान करते हैं, अधिकांश भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखते हैं, खासकर उन लोगों के साथ जिनके घर पर पारिवारिक संबंध हैं। चहल के अनुसार, सोशल मीडिया ने इन तनावों को और बढ़ा दिया है जिससे प्रवासी समुदाय के भीतर विभाजन और गहरा गया है। उन्होंने कहा, ऑनलाइन इको चैंबर संतुलित चर्चाओं को होने में मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही, दोनों देशों के सिख अपनी सुरक्षा और प्रतिक्रिया की संभावना को लेकर चिंतित हैं। चहल ने अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के लिए सरकारों के कदम उठाने के महत्व पर जोर दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569